राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार 09 सितम्बर 2023 वर्ष–6,अंक–229 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त

बिजनेस डूबा तो 14 कमरे का बंगला छोड़ना पड़ा

फिल्म टाइगर जिंदा है में एक्ट्रेस अनुप्रिया गोयनका का एक डायलॉग था- मेरी मां को बोलना, मैंने हार नहीं मानी, मैंने कोशिश करनी नहीं छोड़ी। ये डायलॉग भले ही अनुप्रिया पर रील में फिल्माया गया था, लेकिन उन्होंने इसे रियल लाइफ में भी जिया है। उनके इसी संघर्ष को करीब से जानने के लिए मैं कई दिनों से अनुप्रिया से मुलाकात करने की कोशिश कर रही थी। बिजी शेड्यूल के कारण मुलाकात तो नहीं हो सकी, लेकिन हमारी बात टेलिफोनिक हुई। बात शुरू होते ही उन्होंने देरी के लिए माफी मांगी। थोड़ी औपचारिकता के बाद मैंने उनके बचपन के बारे में जानना चाहा। वो बताती हैं, कानपुर के एक सम्पन्न मारवाड़ी परिवार में मेरा जन्म हुआ। पापा का गारमेंट एक्सपोर्ट बिजनेस था। हम 4 भाई-बहन हैं। हमारा परिवार 14 कमरों वाले बंगले में रहता था। 4-5 गाड़ियां थीं। नौकर-चाकर भी थे। कभी किसी ने नहीं सोचा था कि ये सब कुछ एक झटके में हमसे छिन जाएगा। मैं लगभग 8 साल की थी। पापा के बिजनेस में गिरावट आ गई। धीरे-धीरे बहुत कुछ हमसे छिनता चला गया। ज्यादा बड़ी तो नहीं थी, लेकिन इस बात का आभास जरूर था कि चीजें सही

पाक के नापाक पैंतरे

पुंछ-राजोरी पर आईएसआई और आतंकियों की निगाहें, भेज जा रहे प्रशिक्षित दहशतगर्द

नई दिल्ली। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई, सेना और आतंकियों की नापाक निगाहें फिर जिला पुंछ और राजोरी में आतंक फैलाने पर हैं। यहां प्रशिक्षित एवं अनुभवी आतंकियों की घुसपैठ करवाई जा रही है। हालांकि, हमारे सुरक्षा बल पाकिस्तान के नापाक मंसूबों को नाकाम कर रहे हैं। तीन दशक से भी अधिक समय से पाक सेना और आतंकी इन जिलों में हालात खराब करने के लिए प्रयासरत हैं। घुसपैठ के प्रयासों में भी वृद्धि की है। प्रशिक्षित और अनुभवी आतंकी भेजे जा रहे हैं। इसका प्रमाण है कि सुरक्षाबलों के हाथों मारे गए अधिकतर आतंकी युवा न होकर बड़ी उम्र के थे। यह प्रशिक्षित आतंकी लंबे समय तक मुठभेड़ में टिके रहे थे। जिले में पिछले डेढ़-दो महीने में मारे गए आतंकी इसके प्रमाण हैं। चक्कां दा बाग में होने वाली पहली मुठभेड़ में मारा गया आतंकी प्रशिक्षित एवं स्टीक निशानेबाज था। उसने सेना का जवान, जो उस पर लगातार गोलीबारी कर रहा था, उसके हाथ को निशाना बनाया था। बुधवार को पुंछ जिले के सावजियां सेक्टर के चापडियां में घुसपैठ करते मारा गया आतंकी भी सुरक्षाबलों के घेरे में फंसने पर कई घंटे मुकाबला करता रहा। उसने अपनी चारों मैगजीनें खाली कर दी थीं। सुरक्षाबलों के एक अनुभवी कर्मी का कहना है कि सुरक्षाबलों के घेरे में आने पर अकसर आतंकी मुश्किल से एक मैगजीन ही फायर कर पाते हैं।

डॉ. दिनेश शर्मा निर्विरोध राज्यसभा सदस्य निर्वाचित

लखनऊ। राज्यसभा उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशी एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा निर्विरोध सदस्य निर्वाचित हुए हैं। भाजपा के पूर्व राज्यसभा सदस्य हरद्वार दुबे के निधन से खाली हुई सीट पर हुए उप चुनाव में भाजपा ने डॉ. शर्मा को प्रत्याशी बनाया था। उप चुनाव में एक मात्र डॉ. शर्मा का नामांकन दाखिल हुआ। शुक्रवार को नामांकन वापसी के अंतिम समय दोपहर तीन बजे निर्वाचन अधिकारी ब्रजभूषण दुबे ने डॉ. शर्मा को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया। विधानमंडल भवन के सेंट्रल हॉल में निर्वाचन अधिकारी दुबे ने डॉ. शर्मा को राज्यसभा सदस्य निर्वाचित होने का प्रमाण पत्र सौंपा। डॉ. शर्मा वर्तमान में विधान परिषद के सदस्य है। उनका कार्यकाल 30 जनवरी 2027 तक है। डॉ. शर्मा अब परिषद सदस्य के पद से इस्तीफा देंगे। उनकी सीट पर फिर उप चुनाव होगा।

राहुल बोले: चीन के खिलाफ वैकल्पिक मॉडल बनाने की जरूरत

भारत या इंडिया के सवाल पर दिया यह जवाब

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका, यूरोप और भारत को चीन के उत्पादन मॉडल के लिए एक वैकल्पिक व प्रतिस्पर्धी मॉडल बनाने की जरूरत है। वह अपनी यात्रा के दूसरे दिन ब्रसेल्स प्रेस क्लब में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। राहुल गांधी यूरोप के लगभग एक सप्ताह के दौरे पर हैं, जिस दौरान वह यूरोपीय संघ (ईयू) के सांसदों, छात्रों और भारतीय प्रवासियों के साथ बैठकें करेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा, चीन ग्रह का एक विशेष दृष्टिकोण पेश कर रहा है। वह बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के विचार को मेज पर रख रहा है। ऐसा करने की वजहों में एक यह है कि वह वैश्विक उत्पादन का केंद्र बन गया है। 2013 में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा शुरू की गई बीआरआई पहल पुराने सिल्क रोड व्यापार मार्ग के पुनर्निर्माण के जरिए चीन को यूरोप और उससे आगे जोड़ने की कल्पना करती है। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हमारी तरफ से कोई वैकल्पिक दृष्टिकोण आ रहा है। उसके लिए एक लोकतांत्रिक माहौल में उत्पादन के लिए एक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। चीन ने मूल रूप से यह दिखाया है कि एक जबरदस्ती के माहौल में प्रभावी ढंग से उत्पादन करना संभव है, जहां आप लोगों को आजादी नहीं देते हैं, जहां आप उनकी स्वतंत्रता को प्रतिबंधित करते हैं लेकिन आप उन्हें राजनीतिक आजादी के बिना समृद्धि प्रदान करते हैं।' इस बात पर जोर देते हुए कि हमारे लिए चुनौती यह है कि क्या हम एक वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रदान कर सकते हैं जहां हम राजनीतिक और आर्थिक आजादी के साथ लोकतांत्रिक परिस्थितियों में उत्पादन कर सकते हैं, राहुल ने कहा, 'अमेरिका, यूरोप और हमारे बीच बहुत सहयोग हो सकता है और मुझे लगता है कि यही वह जगह है जहां हमारा बहुत ध्यान जाना चाहिए। हम चीनी उत्पादन मॉडल का विकल्प कैसे बना सकते हैं जो एक जबरदस्ती उत्पादन मॉडल है।' वह रूस-यूक्रेन युद्ध सहित बढ़ते वैश्विक तनाव के मद्देनजर अपनी अगली राजनीतिक प्राथमिकताओं और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के बारे में एक सवाल का जवाब दे रहे थे। गांधी ने मार्च 2023 में कैम्ब्रिज की अपनी यात्रा के दौरान भी इसी तरह की टिप्पणी की थी।

सुधाकर ने जीत का तोड़ा रिकॉर्ड

मऊ। घोसी उपचुनाव के परिणाम से उत्तर प्रदेश की सियासी जमीन के ताप की आजमाइश हो गई। घोसी विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में समाजवादी पार्टी के सुधाकर सिंह ने भाजपा उम्मीदवार दारा सिंह चौहान को बड़े अंतर से हराया। इस चुनाव पर पूरे देश की नजर थी। घोसी के सियासी रण में साइकिल ने ऐसी रफ्तार पकड़ी कि भाजपा चारों खाने चित्त हो गई। सपा प्रत्याशी सुधाकर सिंह ने भाजपा के दारा सिंह को 42759 वोटों से हराया है। 2022 विधानसभा चुनाव में सपा से चुनाव लड़ रहे दारा सिंह ने 22000 वोटों से जीत दर्ज की थी। यह सीट दारा सिंह चौहान के इस्तीफे देने के कारण खाली हुई थी। इस उपचुनाव में वैसे तो मुकाबला भाजपा और समाजवादी पार्टी के बीच था, लेकिन प्रतिष्ठा एनडीए और इंडिया गठबंधन की दांव पर लगी थी। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए बने इंडिया गठबंधन की सियासी पकड़ का भी यह नतीजा माना जा रहा है।

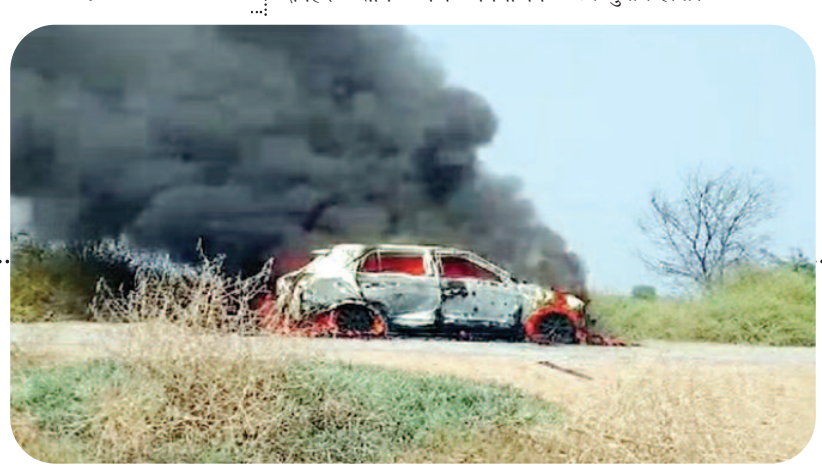

हांसी में कार में आग से जिंदा जला शिक्षक

हिसार। हरियाणा के हिसार के हांसी में शुक्रवार को बड़ा दर्दनाक हादसा हुआ। गांव मेहंदा से बड़सी रोड पर एक क्रेटा गाड़ी में आग लगने से इसमें सवार एक व्यक्ति कार में ही जिंदा जल गया। बाद में गाड़ी से उसका कंकाल बरामद हुआ। मृतक की पहचान पंचायत समिति के पूर्व चेयरपर्सन प्रतिनिधि गांव गढ़ी निवासी सुंदर के तौर पर हुई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे परिजनों ने पैसे के लेनदेन में उसकी हत्या कर गाड़ी में आग लगाने का दावा किया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार गांव गढ़ी निवासी सुंदर राजकीय स्कूल में जेबीटी के तौर पर तैनात थे। उसकी पत्नी कृष्णा देवी हांसी पंचायत समिति की चेयरपर्सन रही हैं। शुक्रवार को दोपहर बाद वह अपनी क्रेटा गाड़ी में अकेले ही स्कूल से घर के लिए निकले थे। रास्ते में गाड़ी में आग लग गई। आस पास के लोगों ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस व फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची तब तक आग से गाड़ी पुरी तरह से लग चुकी थी। पुलिस द्वारा छानबीन की जा रही है। वहीं पुलिस को मामला संदेहजनक लग रहा है। पुलिस इस मामले की हर एंगल से छानबीन कर रही है। पुलिस को गाड़ी में से एक व्यक्ति का नर कंकाल मिला है। पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। पुलिस द्वारा इनकी जांच करवाई जाएगी।

मेहमानों का आना जारी, बाइडन का दिल्ली आगमन

रूसी विदेश मंत्री और दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति भी पहुंचे

नई दिल्ली। भारत की अध्यक्षता में हो रहे जी20 का 9-10 सितंबर को शिखर सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इसके लिए वैश्विक नेताओं का भारत पहुंचना शुरू हो गया है। ऐसी चर्चाएं हैं कि अफ्रीकन यूनियन को भी जी20 समूह में शामिल किया जा सकता है। जब इसे लेकर यूरोपियन काउंसिल के अध्यक्ष चार्ल्स माइकल से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि यह जी20 दो दिन में ही दुनिया की सारी समस्याओं को सुलझा लेगा...लेकिन मुझे लगता है कि इस दिशा में कदम उठाए जा सकते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन जी 20 शिखर सम्मेलन के लिए दिल्ली पहुंचे। नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री जनरल (सेवानिवृत्त)वी.के. सिंह ने उनका स्वागत किया। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन भी दिल्ली पहुंच गए हैं। उनका विमान शाम करीब 6.50 पर दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरा। केंद्रीय मंत्री वीके सिंह ने उनका स्वागत किया। यहां से बाइडन सीधे प्रधानमंत्री आवास जाएंगे और पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज, मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी, दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक येओल दिल्ली पहुंचे। इसके अलावा ओमान के उप प्रधानमंत्री असद बिन तारिक बिन तैमूर अल सैद भी दिल्ली पहुंच चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना ने दिल्ली में जी 20 शिखर सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय बैठक की। प्रधानमंत्री सुनक ने कहा कि मोदी जी और मैं दोनों हमारे दोनों देशों के बीच एक व्यापक और महत्वाकांक्षी व्यापार समझौते को संपन्न होते देखना चाहते हैं।

व्यापार सौदों में हमेशा समय लगता है, उन्हें दोनों देशों के लिए काम करने की आवश्यकता होती है। हालांकि हमने काफी प्रगति की है, लेकिन अभी भी कड़ी मेहनत बाकी है। खालिस्तान मुद्दे पर यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री ने कहा कि यह वास्तव में एक महत्वपूर्ण प्रश्न है और मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि यूके में किसी भी प्रकार का उग्रवाद या हिंसा स्वीकार्य नहीं है। इसीलिए हम विशेष रूप से 'PKE' खालिस्तान समर्थक उग्रवाद से निपटने के लिए भारत सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि यह सही है। हमारे सुरक्षा मंत्री हाल ही में भारत में अपने समकक्षों से बात कर रहे थे। हमारे पास खुफिया जानकारी और जानकारी साझा करने के लिए एक साथ कार्य करने वाले समूह हैं जिससे हम इस तरह के हिंसक उग्रवाद को जड़ से खत्म कर सकें। यह सही नहीं है और मैं इसे यूके में बर्दाश्त नहीं करूंगा।

अंबाला में यूपी के फौजी की हत्या

अंबाला। हरियाणा के अंबाला कैंट से लापता हुए सेना के लांस हवलदार पवन शंकर की लाश रेल पटरी से बरामद हुई है। यह शव कैंट रेलवे स्टेशन से मोहड़ा के बीच पटरी पर पड़ा था। इस मामले में तब हड़कंप मच गया, जब लांस हवलदार की पत्नी के मोबाइल पर वॉट्सऐप मैसेज आया। इसमें लिखा था कि आपके पति को खुदा के पास भेज दिया है, पाकिस्तान जिंदाबाद। इस मैसेज के बाद पुलिस के साथ मिलिट्री पुलिस और आर्मी इंटेलिजेंस भी अलर्ट हो गई है। सैनिक के पोस्टमॉर्टम से पहले ही सेना की टीम अंबाला के अस्पताल पहुंच गई। फिलहाल, वहां किसी तरह की वीडियोग्राफी से इनकार कर दिया गया है। अंबाला पहुंची मिलिट्री पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि अभी मामले की जांच चल रही है। कुछ भी कहना ठीक नहीं होगा। जीआरपी पुलिस ने इत्फाकिया रपट दर्ज करते

हुए जवान के शव का पोस्टमॉर्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया है। जांच अधिकारी प्रदीप कुमार का कहना है कि पुलिस ने 174 की कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमॉर्टम कराया है। जवान की पत्नी के वॉट्सऐप पर आए मैसेज की जांच पड़ाव थाना पुलिस कर रही है। परिजन शव को लेकर अंबाला कैंट से कानपुर के लिए रवाना हो चुके हैं। उधर, जवान की पत्नी के पास मैसेज आने के मामले में पड़ाव थाना पुलिस जांच कर रही है। गुमशुदगी के मामले में जांच कर रहे अरकबलकार सिंह ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल के आसपास भी गहनता से तलाशी ली है।

शरद पवार बोले- अजित का अध्यक्ष बनना गैरकानूनी

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) चीफ शरद पवार ने 8 सितंबर को चुनाव आयोग को बताया कि पार्टी में कोई फूट नहीं है। वे पार्टी के अध्यक्ष हैं और जयंत पाटिल प्रदेश अध्यक्ष हैं, जो उनके साथ हैं। ऐसे हालात में अजित गुट पार्टी पर दावा कैसा कर सकता है। उन्होंने कहा कि अजित पवार का पार्टी का अध्यक्ष बनना और पार्टी के नाम और चिन्ह का इस्तेमाल करना गैरकानूनी है। पार्टी छोड़कर जाने वाले 9 मंत्रियों समेत 31 विधायकों के खिलाफ अयोग्यता की कार्रवाई की जाए। उधर, अजित पवार ने चुनाव आयोग को बताया कि मैं पार्टी का अध्यक्ष हूं। राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने यह फैसला लिया है। पार्टी का बहुमत और

संख्या हमारे पास है। इसीलिए हमारे गुट के विधायकों पर अयोग्यता की कार्रवाई नहीं हो सकती। दरअसल, जुलाई 2023 में अजित पवार 40 विधायकों के साथ महाराष्ट्र सरकार में शामिल हो गए थे। इसके बाद शरद पवार ने चुनाव आयोग से उन्हें अयोग्य ठहराने की मांग की है। वहीं, अजित पवार गुट ने इलेक्शन कमीशन में दावा किया था कि वो एनसीपी है, जिसके अध्यक्ष अजित पवार हैं।

जी 20 समिट ह्यूमन सेंट्रिक इनक्लूसिव डेवलपमेंट को आगे ले जाएगी

नई दिल्ली। पीएम नरेन्द्र मोदी ने जी 20 समिट के पहले भरोसा जताया है कि यह समिट ह्यूमन सेंट्रिक इनक्लूसिव डेवलपमेंट(मानव-केंद्रित और समावेशी विकास) के लिए नया रास्ता बनाएगी। भारत डेवलपमेंट के लिए ह्यूमन सेंट्रिक तरीके पर भी बहुत जोर देता है। वंचितों, आखिरी पायदान के लोगों की सेवा करने के गांधीजी के मिशन का पालन करना महत्वपूर्ण है। मोदी ने जी 20 से जुड़ी अपनी गतिविधियों की जानकारी आज एक्स पर दी। उन्होंने बताया कि भारत को 9-10 सितंबर को नई दिल्ली के प्रतिष्ठित भारत मंडपम में 18वें जी 20 समिट की मेजबानी करते हुए खुशी हो रही है। यह भारत में होने वाला पहला जी 20 शिखर सम्मेलन है। वे अगले दो दिनों में विश्व नेताओं के साथ सार्थक चर्चा की आशा करते हैं। मोदी ने कहा कि भारत की जी 20 प्रेसीडेंसी थीम हमारे सांस्कृतिक लोकाचार में बसी , वसुधैव कुटुंबकम- एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य हमारे विश्व दृष्टिकोण के साथ गहराई से मेल खाती है कि पूरी दुनिया एक परिवार है। भारत की जी 20 अध्यक्षता इनक्लूसिव, महत्वाकांक्षी, निर्णायक और काम में भरोसा करने की रही है। हमने ग्लोबल साउथ की विकास को

लेकर चिंताओं को सक्रिय रूप से आवाज दी। उन्होंने कहा कि मित्रता और सहयोग के बंधन को और गहरा करने के लिए कई नेताओं और प्रतिनिधिमंडल के प्रमुखों के साथ वे बाइलेटरल बैठकें करेंगे। उन्हें विश्वास है कि हमारे मेहमान भारतीय मेहमाननवाजी की गर्मजोशी का आनंद लेंगे। राष्ट्रपतिजी 9 सितंबर को डिनर देंगी। 10 तारीख को नेता राजघाट पर गांधीजी को श्रद्धांजलि देंगे। समापन समारोह में, उसी दिन, जी 20 नेता एक स्वस्थ एक पृथ्वी के लिए ह्यएक परिवारह्ल की तरह मिल कर एक स्थायी और न्यायसंगत ह्यएक भविष्यह्ल के लिए अपने सामूहिक दृष्टिकोण को साझा करेंगे। उन्होंने बताया कि जी 20 शिखर सम्मेलन के दौरान, वे एक पृथ्वी, ह्यएक परिवार और एक भविष्य पर सत्र की अध्यक्षता करेंगे। इसमें विश्व समुदाय के लिए प्रमुख चिंता के कई मुद्दों को शामिल किया जाएगा। इनमें मजबूत, टिकाऊ, इनक्लूसिव और संतुलित विकास को आगे बढ़ाना शामिल है। हम जेंडर इक्वेलिटी, महिला सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने और दुनिया में शांति सुनिश्चित करने के लिए भी सामूहिक रूप से काम करेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

पर्यावरण की परवाह

जलवायु परिवर्तन का असर साफ दिखने लगा है और धरती का तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। यूरोपीय संघ के कॉपरनिकस जलवायु परिवर्तन पैनल ने कहा है कि पिछला महीना अगस्त वैश्विक स्तर पर सबसे गरम रहा, जो अब तक के सबसे गरम जून और जुलाई के बाद ऐसा रिकॉर्ड बनाने वाला लगातार तीसरा महीना बन गया है। कॉपरनिकस की उप-प्रमुख सामंथा बर्गेस ने फिर गुहार लगाई है कि ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन दुनिया में तत्काल बंद किया जाए। दुनिया के अनेक इलाकों में बाढ़ की स्थिति है, तो अनेक जगह आग लगी हुई है। यूरोप की अगर बात करें, तो पिछले महीने अगस्त में मध्य यूरोप और स्कैंडिनेविया के बड़े हिस्से में बाढ़ देखी गई, जबकि फ्रांस, ग्रीस, इटली और पुर्तगाल में ऐसा सूखा पड़ा कि जंगलों में आग लग गई। अगस्त में ऑस्ट्रेलिया, अनेक दक्षिण अमेरिकी देशों और अंटार्कटिका के आसपास भी औसत से काफी ऊपर तापमान दर्ज किया गया। इस साल में अब तीन ही महीने बचे हैं और ऐसा लग रहा है कि साल 2023 सबसे गरम वर्ष के रूप में दर्ज हो जाएगा। अब दुनिया के दिग्गज देशों को जरूर सोचना चाहिए कि क्या बढ़ते तापमान को कम करने के लिए पर्याप्त उपाय किए गए हैं? वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने का लक्ष्य 2015 में 196 देशों ने पेरिस अंतरराष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन समझौते के तहत तय किया था। इस दिशा में कितनी कामयाबी मिली है? यह वाकई परखने का समय है, वरना यह दुनिया इंसान के लिए दिनोंदिन मुश्किल होती चली जाएगी। भारत में भी अगस्त में औसत रूप से रिकॉर्ड गरमी दर्ज की गई है। वर्ष 1901 के बाद यह सबसे गरम अगस्त बताया जा रहा है। भारत में भी कहीं सूखे की स्थिति है, तो कहीं जरूरत से ज्यादा बारिश से तबाही का मंजर है। शायद अभी भी लोग जलवायु परिवर्तन को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का प्रभाव भारत में भी महसूस किया जा रहा है। वैश्विक तापमान में वृद्धि के प्रभाव में भारत में भी औसत तापमान में वृद्धि हुई है। हिंद महासागर के स्तर में भी वृद्धि हुई है, जो भारतीय भूभाग को हर वर्ष 3.3 मिमी की मात्रा में निगल रहा है। भारतीय संसद में पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार, 1993 और 2017 के बीच, भारत के आसपास समुद्र के स्तर में कुल 7.92 सेंटीमीटर की वृद्धि हो चुकी है। वैसे अनेक अन्य देशों की तुलना में भारत पर्यावरण की दृष्टि से ज्यादा सजग और संवेदनशील है। सरकार हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए लगातार पहल कर रही है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत की बढ़ती ऊर्जा मांगों को पूरा करने और 2030 तक 50 प्रतिशत अक्षय ऊर्जा के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के विकास के लिए 3,760 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। यह बहुत सुखद सूचना है कि सरकार का लक्ष्य 2030 तक 4,000 मेगावाट की बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजनाएं विकसित करना है। दरअसल, अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए सरकार को बड़े पैमाने पर आर्थिक सहयोग देने की जरूरत है। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा जैसे विकल्पों को सस्ता बनाना जरूरी है। ऊर्जा पैदा करने के लिए अभिनव प्रयासों को बढ़ावा देना होगा, ताकि ऊर्जा के परंपरागत स्रोतों पर दबाव कम हो। पर्यावरण के मोर्चे पर जी-20 के आगामी शिखर सम्मेलन से भी बड़ी उम्मीदें हैं। दुनिया के महत्वपूर्ण देशों को पर्यावरण की रक्षा के लिए और गंभीरता से आगे आना चाहिए।

आज का राशीफल

मेष आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। अपनों से पीड़ा मिल सकती है। नेत्र विकार की संभावना है। खानपान में संयम रखें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

वृषभ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। अपनो से संबंधों में कटुता आयेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। संतान से पीड़ा मिल सकती है। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार का भरपूर सहयोग रहेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

तुला आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। नेत्र विकार की संभावना है।

वृश्चिक रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। संतान के कारण चिंतित हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नौकरी पेशा व्यक्तियों के पद में उन्नति होने के योग हैं। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा।

प्रभावशाली-सुरक्षित भी हो जेनेरिक दवा

केके तलवार

भारत को 'दुनिया का दवाखाना' कहा जाता है। भारत में बनी जेनेरिक दवाओं का निर्यात विश्वभर में होता है। 21वीं सदी के आरंभ तक देश में किसी दवा को पेटेंट उत्पाद के अनुसार न देकर उत्पादन प्रक्रिया के मुताबिक दिया जाता था। इससे भारतीय दवा उद्योग को पेटेंट का उल्लंघन करने का जोखिम उठाए बगैर दवाएं बनाने का मौका मिला। पहले से किसी और की बनी दवा के घटकों को खोजकर उत्पादन करने की स्वदेशी क्षमता का क्रमिक विकास होता चला गया। आज हम दुनिया में जेनेरिक दवाओं के सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता हैं, खासकर एचआईवी और एड्स या फिर अन्य जीवन रक्षक वैक्सीन। चूंकि जेनेरिक दवाएं वह होती हैं जिसके घटक हू-ब-हू ब्रांडेड दवाओं वाले होते हैं, इसलिए असर भी समान होता है। जेनेरिक दवाओं की वकालत करने के पीछे मुख्य कारण है, इनकी कम कीमत क्योंकि इनको बाजार में उतारने से पहले जानवरों या क्लीनिक में इंसानों पर प्रयोग वाली महंगी और अनिवार्य प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ता। भाव में सस्ती होने के कारण विकासशील मुल्कों के लिए इनका बहुत महत्व है और इस तरह दुनिया का भला होता है। जब बात दवाओं की आए तो कहा जाता है कि गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। समाज में ऐसी धारणा भी है कि देश में उपलब्ध जेनेरिक दवाओं में कुछ घटिया हैं। क्या हैरानी इन चिंताओं के कारण मरीज जेनेरिक दवाओं से गुरेज करते हैं, इसलिए महंगी होने के बावजूद रुझान ब्रांडेड दवाओं की ओर है। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण जन-औषधि दुकानों पर कम बिक्री है। राष्ट्रीय दवा आयोग की हालिया अधिसूचना कि चिकित्सकों को केवल जेनेरिक दवाएं ही लिखकर देनी हैं, इसके पीछे मुख्य मंशा सही है। लेकिन इस फैसले ने उपलब्ध जेनेरिक दवाओं की गुणवत्ता वाले गंभीर विषय को भी आगे ला दिया है। चिकित्सकों की चिंताएं भी जायज हैं, जिसको मीडिया ने काफी प्रकाशित किया। राष्ट्रीय दवा आयोग ने जेनेरिक दवाएं लिखने की अनिवार्यता पर फिलहाल अमल न करने का निर्णय लेकर सही किया है। तथापि, जेनेरिक दवाओं की ओर केंद्रित हुआ ध्यान प्रासंगिक है। वास्तव में, जेनेरिक दवाओं का इस्तेमाल करवाने के पीछे उद्देश्य है कि रोगी का इलाज पर अपनी जेब से होने वाला खर्च घट सके और इसके लिए सरकार को गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं सुनिश्चित करवाने के हरसंभव उपाय करने चाहिए। हमारे मुल्क में नकली अथवा घटिया दवाएं होना, कमजोर नियामक तंत्र की वजह से है। ऐसी दवाओं के नतीजे में कई बार रोग में बहुत सी जटिलताएं पैदा हो जाती हैं। पिछले साल, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ में भी ऐसे कई मामले हुए, एक उत्पादक की बनी प्रोपोफोल दवा से मौत तक हुई। गाम्बिया नामक देश में कुछ बच्चों की मौत का संबंध भारत से गई खांसी की दवा से जोड़ा गया है, इससे भारत की 'दुनिया की दवा-धुरी' साख को बट्टा लगा है। घटिया दवाओं से मरीज पर जो बन आती है, उसमें स्वास्थ्य में वांछित सुधार न आना और यहां तक कि रोगी में दवा विशेष के लिए प्रतिरोधकता तक पैदा हो जाती है और यह बहुत गंभीर चिंता का विषय है। प्रभावशाली नियामक तंत्र के अभाव में, कुछ दवा निर्माता लागत में पैसा बचाने के नाना तरीके अपनाते हैं और स्थापित अंतर्राष्ट्रीय उत्पादन मानकों का पालन करने से बचते हैं। हर मामले में भले ही मिलावट और बेईमानी वाले तरीके न भी बरते गए हों, लेकिन लापरवाही और नियमों की अनदेखी करते अकसर पाया जाता है। घटिया दवाएं (चाहे यह संदूषित हो या कम गुणवत्ता वाली) अकसर कोताही या फिर उत्पादन प्रक्रिया में जान-बूझकर कुछ गलत करने का परिणाम है। यह कृत्य कतई अस्वीकार्य है और कड़े से कड़े रूप में इसकी भर्त्सना होनी चाहिये। सबको अच्छी तरह मालूम है कि अमेरिका और यूरोपियन मुल्कों में जेनेरिक दवा को बतौर एक विकल्प तभी मंजूरी मिलती है, जब वे ब्रांडेड दवाओं जितनी प्रभावशाली और सुरक्षित पाई जाएं। वहां किसी जेनेरिक दवा को मंजूरी पाने के लिए सख्त अवलोकन प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। अमेरिका का ड्रग एंड फूड एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) विभाग तो दवा उत्पादन कारखानों का निरीक्षण तक करता है ताकि सुनिश्चित हो सके कि दवाएं सर्वोत्तम मानकों की पालना करके बनाई जा रही हैं। इससे मरीज का जेनेरिक दवाओं पर पूरी तरह भरोसा बनता है। आकंड़े खुद बताते हैं- आईएमएस संस्थान के मुताबिक जेनेरिक दवाओं ने 2009-19 के बीच दस सालों में अमेरिकी स्वास्थ्य तंत्र के लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर बचाए। इससे सबक लेते हुए हमें अपना नियामक तंत्र मजबूत करना चाहिए। जब तक सख्त गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली स्थापित नहीं हो जाती और गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित न हो तब तक दवाएं कम असरकारक और उनसे रोगी में गंभीर संलग्न जटिलताएं पैदा होने का दोहरा खतरा बना रहेगा। हमारी उत्पादन निर्देशावली का पुनरावलोकन और प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित करवाने की फौरन जरूरत है। इसके लिए पूरी तरह प्रशिक्षित व्यावसायिक जांचकर्ताओं से सज्जित परीक्षण शालाओं वाला यथेष्ट तंत्र सुनिश्चित करना होगा। वैधानिक एवं अन्य सुरक्षा मानकों के पालन के लिए कड़ी निगरानी अहम होगी। कानूनी एवं नियामक तंत्र इस तरह बनाया जाए जो कि दवा निर्माताओं में स्व-पालन और स्व-नियंत्रण को प्रोत्साहित करे और ठीक इसी वक्त उल्लंघनकर्ताओं या गलत आचरण करने वालों पर कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की शक्ति भी उसके पास हो। भारत में दवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए जिम्मेवार केंद्रीय दवा मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) को और मजबूत एवं शक्तिशाली बनाना होगा। हमारे दवा संबंधी चेतावनी तंत्र एवं दवा-निगरानी कार्यक्रम को भी सुदृढ़ करने की जरूरत है। ये तरीके बिक्री उपरांत दवाओं को सुरक्षित बनाने के हैं। किसी दवा के बारे में चेतावनी मिलते ही अगली कार्रवाई के तौर पर दवा-विक्रेताओं से इन्हें फौरन हटवाने के साथ शीघ्रातिशीघ्र चेतावनी पूर्ण संदेश लोगों तक पहुंचाने वाली व्यवस्था हो। एक बार गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं उपलब्ध होने के बाद, सरकार दवा-निर्माताओं से कहे कि आइंदा ब्रांडेड दवाएं बाजार में न उतारें। दवा उत्पादकों को अपने बिक्री संबंधी प्रचार खर्च के बजट में कटौती करते हुए अनुसंधान एवं विकास के अलावा गुणवत्ता नियंत्रण पर अधिक धन लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। सीडीएससीओ को गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाओं की उपलब्धतता सुनिश्चित करने लिए कमर कसनी होगी। एक बार यह व्यवस्था बन जाए, तब राष्ट्रीय दवा आयोग का आदेश सही मायने में स्वागतयोग्य है।

लेखक पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ के पूर्व निदेशक हैं।

जी-20समिटः अतिथि देवो भवः

(लेखक-राकेश अचल)

ग्वालियर दिल्ली में होने वाली जी -20 समिट यानि समागम के जरिये भारत को एक बार लम्बे आरसे बाद दुनिया के 20 बड़े देशों के राष्ट्राध्यक्षों की मेजबानी का सौभाग्य मिला ह। देश की सरकार ने जिस तरिके से विदेशी मेहमानों के स्वागत की तैयारी की है उसे देखकर लगा है की विदेशी मेहमान कुछ देकर जाएँ या न जाएँ लेकिन अपने साथ भारतीय सौजन्यता की मधुर यादें अपने साथ अवश्य ले जायेंगे। ये आयोजन और यादगार बन जाता यदि सरकार औदार्य दिखाते हुए इस आयोजन के माध्यम से देश की सीआईसी एकता को भी प्रकट करता तो। भारत में अतीत में ऐसे तमाम बड़े आयोजन हुए हैं जिनके जरिये दुनिया भारत की मेहमाननवाजी की कायल हुई ह। दुनिया के बड़े-बड़े देशों के राष्ट्राध्यक्षों को हमने दिल्ली आते-जाते देखा है। हमने अपने पारम्परिक मित्रों के साथ पारम्परिक शत्रुओं को भी कटुता भुलाकर दिल्ली में उनके स्वागत में पालक पांवड़े बिछाए हैं,उन्हें झूला झुलाया है ,लेकिन ये पहला मौक़ा है जब इतनी बड़ी संख्या में विदेशी मेहमान एक साथ एक मंच पर खड़े दिखाई देंगे। एक जमाने में भारत की पहचान पंडित जवाहर लाल नेहरू के पंचशील और गुटनिरपेक्ष आंदोलन के जरिये दुनिया में बनीं थी। आज कुछ-कुछ वैसा ही जी- 20 सम्मेलन के जरिये होता दिखाई दे रहा है। हमारे आज के प्रधानमंत्री उद्भट विद्वान हैं और उनकी अपनी कूटनीति इस सम्मेलन में अपनी छाप छोड़ेगी ये देखने वाली बात होगी। नेहरू के बाद या उनके मुकाबले दुनयातन करने वाले मोदी जी दुसरे या तीसरे भारतीय ध्र्धानमंती हैं जिन्हें दुनिया जानती-पहचानती है और मानती है। दुनिया के पांच बड़े देश तो अब मोदी और भारत को जानते और मानते ही हैं। भारत की साख मोदीकाल में बढ़ी या घटी इसका आकलन किये बिना ये संतोष की बात है की हम मेजबानी के मामले में किस से कम नहीं नजर आ रहे।

भारत सरकार ने विदेशी मेहमानों की आवभगत के लिए पूरे इंतजाम किये हैं पूरे केंद्रीय मंत्रिमंडल को इसके लिए तैनात किया है ।अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन का स्वागत जनरल (सेवानिवृत) वीके सिंह करेंगे, जबकि इटली के पीएम, बांग्लादेश के पीएम, ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक, दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री का स्वागत क्रमशः शोभा करंदलाजे, दर्शना जरदोश, अश्विनी चौबे और केंद्रीय मंत्री राजीव चन्द्रशेखर करेंगे। ब्राजील के राष्ट्रपति के स्वागत की जिम्मेदारी नित्यानंद राय, फ्रांस की राष्ट्रपति के लिए अनुप्रिया पटेल, जर्मन चांसलर के लिए बी. एल. वर्मा. और मॉरीशस के प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए श्रीपद नाइक को कहा गया है. इसी तरह से सिंगापुर के प्रधानमंत्री को एल. मुरुगन, यूरोपीय संघ प्रमुख को प्रह्लाद पटेल, स्पेन के राष्ट्रपति को शांतनु ठाकुर और चीन के प्रधानमंत्री को वीके सिंह हवाई अड्डे पर लेने जायेंगे। श्री मोदीजीने दुनिया में अपने दौरों से सबक लेकर खुद किसी भी राष्ट्राध्यक्ष की अगवानी से अलग रखा है। प्रधानमंत्री सभी राष्ट्राध्यक्षों का स्वागत कैसे और कहाँ करेंगे ,ये रहस्य है।

आपको याद दिला दूँ कि जी-20 समूह का एजेंडा वैश्विक भलाई का है, पृथ्वी की भलाई का है, पृथ्वी के सतत भविष्य का है और इसीलिए जी20 के लिए हमारा नारा 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' है. मिशन लाइफ इसका बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा है। भारत के संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी भले ही देश को संसद के विशेष सत्र के एजेंडे के बारे में नहीं बता पाए हों लेकिन उनका कहना है कि तीन दिवसीय शिखर सम्मेलन के नतीजे निस्संदेह पूरी दुनिया के लिए अच्छे परिणाम लाएंगे। जोशी ने कहा है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश पिछले कुछ वर्षों में एक नेता के रूप में उभरा है और आज भारत जो कहता है, दुनिया उसे सुनती है और उसका समर्थन करती है। जोशी ने कहा कि भारत ने वैश्विक महामारी के दौरान संकट से निपटने के लिए विभिन्न देशों को घरेलू स्तर पर निर्मित टीकों और अन्य आवश्यक दवाओं की आपूर्ति करके वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई। गौरतलब है कि जी -20 में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्किये, ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ (27 सदस्यीय समूह) शामिल है। जी-20 सदस्य देश वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का करीब 85 प्रतिशत, वैश्विक व्यापार का 75 प्रतिशत से अधिक और करीब दो-तिहाई वैश्विक आबादी का प्रतिनिधित्व करते है। इस बार कि एक बात और महत्वपूर्ण है कि इस मौके पर विदेशी मेहमानों के सम्मान में भारत के राष्ट्रपति भोज देंगें इंडिया के नहीं। इंडिया को टाटा-बाय-बाय करने की ये शुरुवात है।

सबसे महत्वपूर्ण बात ये है कि इस सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले तमाम राष्ट्राध्यक्ष पहली बार भारत आएंगे । अमेरिका के राष्ट्रपति जो वायदें भी इनमें से एक हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति के तौर पर यह उनकी पहली भारत यात्रा होगी। इससे पहले, भारत का दौरा करने वाले आखिरी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प थे, जो वह फरवरी 2020 में भारत आए थे। बाइडेन जी-20 शिखर सम्मेलन के समाप्त होने के बाद रविवार को वियतनाम रवाना होंगे। मना जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति बाइडन के बीच बातचीत में स्वच्छ ऊर्जा, रक्षा और उच्च प्रौद्योगिकी, रक्षा सहित विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों में जारी द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा पर जोर दिए जाने की संभावना है। दोनों पक्ष वीजा व्यवस्था को और उदार किए जाने के संबंध में भी विचार-विमर्श कर सकते हैं। इस सम्मेलन की कामयाबी के लिए हम सबकी शुभकामनाएं।

विचार मंथन

जी 20 में भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थाई सदस्यता?

(लेखक-सनत जैन)

20 देशों के शीर्ष नेता जी-20 की बैठक में शामिल होने के लिए भारत पहुंच रहे हैं। भारत सरकार इस सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो वाईडेन, जापान के फुमियो किसीदा और ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डॉक्टर सिल्वा ब्रिटिश प्रधानमंत्री सुनक सहित 20 देश के राष्ट्र प्रमुख अथवा उनके प्रतिनिधि सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत पहुंच रहे हैं। भारत सरकार द्वारा विदेशी मेहमानों के आव-भगत,स्वागत सत्कार,खाने-पीने के विशेष इंतजाम किए हैं। सोने चांदी के बर्तनों में शाही खाना खिलाने की व्यवस्था की गई है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग इस बैठक में भाग लेने नहीं आ रहे हैं। इन दोनों देशों से भारत के व्यापारिक रिश्ते बहुत मजबूत हैं। दोनों देशों के राष्ट्रपति के साथ भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबंध भी बहुत मजबूत हैं। भारत सरकार द्वारा पिछले 1 साल में इस सम्मेलन को लेकर कई बड़े आयोजन किए गए हैं। यह माना जा रहा है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थाई सदस्यता के लिए भारत का दावाइस सम्मेलन से मजबूत होगा। सभी जी-20 के देश भारत की स्थाई सदस्यता का समर्थन करेंगे। विशेष रूप से चीन को लेकर भारत को आशा है,कि चीन इसका विरोध नहीं करेगा। चीन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थाई सदस्यता के लिए भारत का समर्थन करेगा। पिछले एक दशक में चीन के साथ भारत का व्यापार बहुत तेजी के साथ बढा है। चीन से बहुत आयात हो रहा है, उस तुलना में भारत से निर्यात कम हो रहा है। भारत का निर्यात और आयात संतुलन चीन के साथ लगातार बढ़ने के बाद भी,भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन के साथ दोस्ती को कम नहीं होने दिया। जी 20 का सम्मेलन भारत में हो रहा है। भारत इसकी अध्यक्षता कर रहा है। ऐसी दशा में चीन की यह जिम्मेदारी बनती है,कि वह भारत को सुरक्षा परिषद की स्थाई सदस्यता दिलाने के प्रस्ताव को समर्थन दे। रूस ओर चीन के राष्ट्रपति जी 20 के सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत नहीं आ रहे हैं। इसके बाद भी यह आशा की जा रही है, भारत संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में स्थाई रूप से शामिल होगा, तो विश्व बंधुत्व की भावना और विश्व गुरु के रूप में भारत सारी दुनिया के देशों को एक नई दिशा देगा। चीन के राष्ट्रपति के साथ भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बहुत अच्छे संबंध हैं। इसका दावा समय-समय पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करते रहे हैं। जी 20 के इस सम्मेलन में उस दावे को रिश्तो की कसौटी में परखा जाएगा। भारत को चीन और रूस से बड़ी आशा है। दोनों ही राष्ट्रपति जी-20 के सम्मेलन में नहीं पहुंच रहे हैं। वहीं अमेरिका भारत की मेजबानी को सफल बनाने के लिए पुरजोर समर्थन दे रहा है। यूरोपीय देशों का समर्थन भारत कोअमेरिका के कारण हासिल है।

संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत को स्थाई सदस्य बनाए जाने के बड़े पैरोकार हैं। दुनिया के अन्य देश भी स्थाई सदस्यता के लिए भारत का समर्थन कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक स्तर

पर जो ख्याति अर्जित की है। उसके बाद यह आशा की जा रही है, कि भारत को संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद में स्थाई सदस्यता दिए जाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास होगा। यदि ऐसा हुआ तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ओर जी 20 के शिखर सम्मेलन में भारत की राजनीति और कूटनीति सफलता होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कद सारी दुनिया में बढ़ेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एसबीआई से सस्ते में हासिल कर सकते हैं होम लोन

- ऑफर का फायदा 31 दिसंबर 2023 तक

नई दिल्ली । देश के सबसे बड़े पब्लिक सेक्टर बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) अपने ग्राहकों के लिए एक ऑफर लेकर आया है। एसबीआई होम लोन पर अपने ग्राहकों को 65 बेसिस प्वाइंट (0.65 फीसदी) तक छूट दे रहा है। होम लोन लेने वालों को एक खास अभियान के तहत स्टेट बैंक ऑफ इंडिया 0.65 फीसदी तक की रियायत दे रहा है। हालांकि आप इस ऑफर का फायदा 31 दिसंबर 2023 तक ही उठा सकते हैं। खास बात है कि होम लोन पर ये रियायत सिबिल स्कोर के आधार पर मिलेगी। सिबिल स्कोर एक तीन अंकों की संख्या होती है जो किसी भी व्यक्ति की फाइनेंशियल साख और हिस्ट्री के बारे में बताती है। आपने अपने लोन या फिर क्रेडिट कार्ड को किस तरह से मैनेज किया है सिबिल स्कोर उस बारे में भी बताता है। क्रेडिट स्कोर की वैल्यू 300 से 900 के बीच हो सकती है। 750-800 और उससे ऊपर के सिबिल स्कोर के लिए ऑफर अवधि के दौरान होम लोन की ब्याज दर 8.60 फीसदी है। इस दौरान 0.55 फीसदी का डिस्काउंट ऑफर किया जा रहा है। 700 से 749 तक के सिबिल स्कोर के लिए एसबीआई ऑफर अवधि के दौरान 0.65 फीसदी की छूट दे रहा है। ऑफर अवधि के दौरान प्रभावी ब्याज दर 8.7 फीसदी है। 550-699 तक के सिबिल स्कोर के लिए एसबीआई कोई छूट नहीं दे रहा है। प्रभावी दर क्रमशः 9.45 फीसदी और 9.65 फीसदी है। 151-200 तक के सिबिल स्कोर के लिए एसबीआई ऑफर अवधि के दौरान होम लोन पर 0.65 फीसदी छूट दे रहा है। ऑफर अवधि के दौरान प्रभावी दर 8.7 फीसदी है।

महिलाओं की भागीदारी से अर्थव्यवस्था के विस्तार में मदद मिलेगी: महिला उद्योगपति

नई दिल्ली । श्रमबल और नेतृत्व से जुड़ी भूमिकाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से भारत को पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में मदद मिलेगी। एक महिला उद्योगपति ने यह उम्मीद जताई है। इन्फ्राविजन फाउंडेशन की सह-संस्थापक एवं प्रबंध न्यासी और उद्योग मंडल सीआईआई के उत्तरी क्षेत्र की पूर्व प्रमुख रुमझुम चटर्जी ने यहां एक पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में कहा कि महिलाओं की श्रमबल में भागीदारी बढ़े बगैर देश की अर्थव्यवस्था लंबी छलांग नहीं लगा सकती है। उन्होंने कहा कि श्रमबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से देश की अर्थव्यवस्था को पांच लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी।

आरबीआई ने कोटक महिंद्रा का अंतरिम एमडी दीपक गुप्ता को नियुक्त किया

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने उदय कोटक के इस्तीफे के बाद कोटक महिंद्रा बैंक के अंतरिम प्रबंध निदेशक और सीईओ के रूप में दीपक गुप्ता की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। कोटक महिंद्रा बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि आरबीआई ने अपने पत्र के माध्यम से गुप्ता की नियुक्ति को मंजूरी दी। उनकी नियुक्ति दो सितंबर, 2023 से दो महीने के लिए प्रभावी है। उम्मीद है कि आरबीआई इस दौरान बैंक के पूर्णकालिक एमडी की नियुक्ति को मंजूरी दे देगा। उदय कोटक ने अपने कार्यकाल से लगभग चार महीने पहले एक सितंबर को बैंक के एमडी और सीईओ पद से इस्तीफा दे दिया था।

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी

- सोना 59,000 रुपए और चांदी का 72,000 रुपए

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी की वायदा कीमतों में शुक्रवार को तेजी लौट आई। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 59,000 रुपए और चांदी के वायदा भाव 72,000 रुपए के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी के भाव में तेजी देखी जा रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 145 रुपए की तेजी के साथ 71,915 रुपए के भाव पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रैक्ट 270 रुपए की तेजी के साथ 72,040 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। फिलहाल इसने 72,094 रुपए के भाव पर दिन का उच्च और 71,915 रुपए प्रति किलो के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। मई महीने में चांदी का वायदा भाव 78 हजार रुपए किलो को पार कर सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गए थे। सोने के वायदा भाव की शुरुआत भी तेजी के साथ हुई।

एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट 148 रुपए की तेजी के साथ 59,146 रुपए के भाव पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रैक्ट 133 रुपए की तेजी के साथ 59,131 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। फिलहाल इसने 59,154 रुपए के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 59,103 रुपए के भाव पर निचला स्तर छू लिया। मई महीने में सोने के वायदा भाव ने 61,845 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी गई। कॉमेक्स पर सोना 1943.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद प्राइस 1942.50 डॉलर था। यह 7.30 डॉलर की तेजी के साथ 1949.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेंक्स पर चांदी के वायदा भाव 23.26 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद प्राइस 23.24 डॉलर था। यह 0.13 डॉलर की तेजी के साथ 23.37 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रही थी।

2047 तक विकसित देश बनने भारत को 8-9 फीसदी वृद्धि की जरूरत: डेलॉयट

नई दिल्ली ।

भारत को 2047 तक विकसित देश बनने के लिए अगले 20 वर्षों तक 8-9 प्रतिशत की दर से बढ़ने की जरूरत है। डेलॉयट दक्षिण एशिया के सीईओ रोमल शेट्टी ने यह बात कही। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाने की दिशा में काम करने का आह्वान किया है। शेट्टी ने कहा कि भारत को चीन प्लस वन रणनीति से फायदा मिल सकता है, क्योंकि कोई दूसरा देश इस तरह के परिचालन के पैमाने और आकार की पेशकश नहीं कर सकता, जैसा यहां उपलब्ध है। अंतरिक्ष क्षेत्र का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत में पहले ही 200 स्टार्टअप हैं और यहां 2040 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश आ सकता है। शेट्टी ने बताया कि हमें एक विकसित अर्थव्यवस्था बनने के लिए कम से कम 2047 तक 8-9 प्रतिशत की दर से बढ़ने की जरूरत है। मध्यम आय स्तर से आगे बढ़ना होगा। इस गति से वृद्धि आसान नहीं है। दुनिया में बहुत कम देश ऐसे हैं, जो सालाना 8-9 प्रतिशत की गति से बढ़ने में सक्षम हैं।

फॉक्सकान जल्द भारत में लगाएगी सेमीकंडक्टर प्लांट

नई दिल्ली ।

वेदांता के साथ डील टूटने के बाद फॉक्सकॉन को देश में चिप फैक्ट्री लगाने के लिए नया भागीदार मिल गया है। हालांकि, अभी बातचीत चल रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी ग्रुप भारत में सेमीकंडक्टर फैक्ट्री लगाने के लिए एसटीमाइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स एनवी के साथ आ रहा है। इसके लिए कंपनी सरकार का सपोर्ट पाना चाहती है। फॉक्सकॉन ताइवान की मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी है। वहीं एसटीमाइक्रो फ्रांसीसी-इतालवी कंपनी है। ये दोनों कंपनियां 40 नैनोमीटर चिप प्लांट में सरकार का सपोर्ट पाने के लिए आवेदन कर रही हैं। मामले से जुड़े लोगों ने यह जानकारी दी है। ये चिप्स कारों, कैमरों, प्रिंटर्स और दूसरी विभिन्न प्रकार की मशीनों में इस्तेमाल होती हैं। इससे पहले फॉक्सकॉन ने अरबपति अनिल अग्रवाल की वेदांता रिसोर्सेज के साथ पार्टनरशिप की कोशिश की थी। यह पार्टनरशिप एक साल की मामूली प्रोग्रेस के बाद टूट गई थी। फॉक्सकॉन दुनिया की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट मैन्यूफैक्चरर कंपनियों में से एक है। वह एप्पल के लिए आईफोन के पार्ट्स समेत कई प्रोडक्ट बनाती है। कंपनी की मैन्यूफैक्चरिंग पहले चीन बेस्ड थी, जिसे अब भारत में भी शिफ्ट किया जा रहा है। फॉक्सकॉन की योजना भारत में एक इलेक्ट्रिक व्हीकल फैक्ट्री लगाने की भी है। कंपनी के चेयरमैन ने हाल ही में कहा था कि आने वाले सालों में भारत दुनिया के मैन्यूफैक्चरिंग हब के रूप में चीन को रिप्लेस कर सकता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 333 , निफ्टी 92 अंक बढ़ा

मुम्बई ।

घरेलू बाजार शुक्रवार को भारी बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी बाजार में ये तेजी लार्सन एंड टुब्रो, भारती एयरटेल , उर्जा , रेल और बैंकिंग शेयरों में आये उछाल से आयी है। कारोबार के दौरान 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 333.35 अंक करीब 0.50 फीसदी ऊपर आकर 66,598.91 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 66,766.92 अंक तक ऊपर जाने के बाद 66,299.30 तक टूटा।दूसरी ओर पचास शेयरों वाले नेशनल स्टॉक एक्सचेंज निफ्टी में 92.90 अंक करीब 0.47 फीसदी की बढ़त आई और ये अंत में 19,819.95 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,867.15 के उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद 19,727.05 तक गिरा। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में से 21 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। एनटीपीसी, टाटा मोटर्स, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फिनसर्व और भारती एयरटेल सबसे अधिक ऊपर आये। सबसे ज्यादा लाभ 2.65 फीसदी एनटीपीसी के

शेयरों को हुआ। इसके अलावा सेंसेक्स के शेयरों में से 9 शेयर नुकसान के सा ही गिरे हैं। अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर सबसे ज्यादा 0.79 फीसदी तक गिरे। इसके अलावा आईटीसी, विप्रो, टेक महिंद्रा और टाटा स्टील के शेयर भी नीचे आये हैं। इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। बाजार के प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। सेंसेक्स 0.11 फीसदी की बढ़त के साथ 6,340.06 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं निफ्टी 25.00 अंक की बढ़त के साथ 19,752 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। प्री-ओपनिंग में बाजार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई है

भारत ने अमेरिका के आधा दर्जन उत्पादों से अतिरिक्त शुल्क हटाया

नई दिल्ली ।

भारत ने अमेरिका के लगभग आधा दर्जन उत्पादों पर 2019 में लगाया गया अतिरिक्त शुल्क हटा दिया है। अमेरिका द्वारा भारत के कुछ इस्पात और एल्युमीनियम उत्पादों पर शुल्क बढ़ाने के फैसले के जवाब में यह कदम उठाया गया था। भारत ने 2019 में अमेरिका के इस कदम के जवाब में उसके 28 उत्पादों पर यह शुल्क लगाया था। वित्त मंत्रालय की 5 सितंबर की अधिसूचना में इन उत्पादों से शुल्क हटाने की जानकारी दी गई है। इन उत्पादों में चना, दाल (मसूर), सेब, छिलके वाला अखरोट और ताजे या सूखे बादाम के साथ ही छिलके वाले बादाम शामिल हैं। इन अमेरिकी उत्पादों पर से अतिरिक्त शुल्क हटाने से देश में ये वस्तुएं अब सस्ते भाव पर उपलब्ध होंगे।

भारत ने यह कदम अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए भारत आने से पहले उठाया है।

बाइडन शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। प्रधानमंत्री की जून में आधिकारिक अमेरिका यात्रा पर दोनों देशों ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में छह

विवादों को खत्म करने और अमेरिकी उत्पादों पर प्रतिक्रिया स्वरूप लगाए गए शुल्क को हटाने का फैसला लिया था। समझौते के तौर पर, भारत चने पर 10 प्रतिशत, मसूर की दाल पर 20 प्रतिशत, ताजे और सूखे बादाम पर सात रुपए प्रति किलोग्राम, छिलके वाले बादाम पर 20 रुपए प्रति किलोग्राम, अखरोट पर 20 प्रतिशत और ताजा सेब पर 20 प्रतिशत शुल्क हटाएगा।

आरबीआई की मंजूरी, यूपीआई दे रहा प्री-एप्रूव्ड लोन की सुविधा

मुंबई । देशभर में कई तरह की लेनदेन इनदिनों यूपीआई के द्वारा हो रहे है। आज आप किराने से लेकर बैंक अकाउंट तक के ट्रांजेक्शन के लिए यूपीआई का इस्तेमाल हो रहा है। अब यूपीआई (यूपीआई) ने लोगों के लिए प्री-एप्रूव्ड लोन की सुविधा भी शुरू की है। इस सुविधा को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मंजूरी भी मिल गई है। प्री-एप्रूव्ड लोन में ग्राहक बिना कोई क्रेडिट कार्ड के भी पेमेंट कर सकते हैं। दरअसल आप जिस तरह बैंक से जाकर लोन के लिए अप्लाई करते हैं, ठीक वैसे ही आप एक एप के जरिये लोन के लिए आवदेन कर सकते हैं। इसके अप्रूव के बाद बैंक आपको प्री अप्रूव्ड क्रेडिट लाइन दे देगा। इसके बाद आप अपने जरूरत के हिसाब से इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। आज के समय में सेविंग अकाउंट, ओवरड्राफ्ट अकाउंट, प्रीपेड वॉलेट और क्रेडिट कार्ड को भी यूपीआई से जोड़ा जा रहा है। बैंक क्रेडिट लाइनों के नियम व शर्तों को तय करती है। देश में कई लोग यूपीआई के जरिये पेमेंट करते हैं। अब विदेश में भी इसका इस्तेमाल किया जा रहा है। बता दें कि भारत में रिटेल डिजिटल पेमेंट का 75 फीसदी संभालता है। देश में रुपे क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से लिंक करने की भी सुविधा दी जा रही है। हाल ही में आरबीआई ने यूपीआई के आंकड़ों की जानकारी दी गई है। अगस्त में 10 अरब यूपीआई ट्रांजेक्शन किये गए हैं। वहीं, जुलाई में 9.96 अरब ट्रांजेक्शन हुआ था।

कॉम्पैक्ट एसयूवी में टाटा नेक्सॉन का नाम अव्वल

- कार की मजबूती को लेकर नहीं किया कंपनी ने कोई समझौता

नई दिल्ली ।

जब भी कॉम्पैक्ट एसयूवी की बात होती है तो उसमें पहले नाम टाटा नेक्सॉन और ह्युंडई क्रेटा का ही आता है। नेक्सॉन मार्केट में मौजूद सबसे सेफ कॉम्पैक्ट एसयूवी मानी जाती है। कार की मजबूती को लेकर कंपनी ने कोई भी कॉम्प्रोमाइज नहीं किया है। वहीं कार को ग्लोबल एनसीएपी की 5 स्टार रेटिंग भी मिल चुकी है। लेकिन अब कंपनी अपनी इस कार को पूरी तरह से बदलने जा रही है और कार का नया फेसलिफ्ट मॉडल 14 सितंबर को लॉन्च कर दिया जाएगा। हालांकि, कंपनी इसके इलेक्ट्रिक वेरिएंट का भी नया मॉडल लॉन्च करने जा रही है और ये 7 सितंबर को ही बाजार में दस्तक दे देगा। कंपनी ने नेक्सॉन और नेक्सॉन ईवी के फेसलिफ्ट मॉडल की बुकिंग शुरू कर दी है। इसे आप आसानी से कंपनी की वेबसाइट या ऑथोराइज्ड डीलरशिप से बुक करवा सकते हैं। हालांकि कंपनी ने अभी तक कार की कीमतों का खुलासा नहीं किया है। कार में कंपनी ने कई तरह के कॉस्मैटिक और फीचर्स से रिलेटेड बदलाव कर दिए हैं। कार के सेफ्टी फीचर्स को भी बढ़ा दिया गया है। खासकर कार के फ्रंट को पूरी तरह से नया किया गया है। इसमें आपको नए बंपर के साथ ही ग्रिल भी नया दिखेगा जो इसे काफी स्लीक लुक देगा। कार में आपको 6 डिफरेंट कलर भी मिलेंगे। इसमें पर्पल, ब्लू, ग्रे, डार्क ग्रे, वाइट और रेड कलर का ऑप्शन मिलेगा। वहीं कार के व्हील साइज को भी अब स्टैंडर्ड 16 इंच का कर दिया गया है। कार के अलॉय भी नए दिए गए हैं। वहीं रियर में भी कार को नया बंपर और नए लाइट के डिजाइन दिए गए हैं। पहले से मजबूत मानी जाने वाली नेक्सॉन को कंपनी ने एक बार फिर नए सेफ्टी फीचर्स से लैस किया है। कार में अब आपको स्टैंडर्ड तौर पर 6 एयरबैग मिलेंगे। इसी के साथ एबीएस, ईबीडी, रियर और फ्रंट पार्किंग सेंसर, 360 डिग्री कैमरा, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल जैसे सेफ्टी फीचर्स मिलेंगे। वहीं नेक्सॉन में अब कंपनी 10.25 इंच का नया इंफोटेनमेंट सिस्टम, टच-ऑपरेटेड एफएटीसी पैनल, हाइट-एडजस्टेबल और वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, वायरलेस चार्जिंग, जेबीएल स्पीकर, सनरूफ, रियर एसी वेंट, कनेक्टेड कार टेक और ऑटो-डिमिंग रियरव्यू मिरर जैसे फीचर्स देगी। वहीं, 1.5-लीटर डीजल इंजन का ऑप्शन भी मिलेगा, जो 113बीएचपी जनरेट करेगा। इसमें 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड एएमटी गियरबॉक्स ऑप्शन होगा।

केटीएम आरसी 390 बाइक ने मचाई धूम

-डिजाइन और स्टाइल के दम पर खूब बिक रही

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में कम्यूटर बाइक के साथ ही स्पोर्ट्स बाइक का भी जबर्दस्त क्रेज है। इस सेगमेंट में एक कंपनी की बाइक ऐसी है जिसे लोग जमकर खरीद रहे हैं। यह अपने यूनिक डिजाइन और स्टाइल के दम पर खूब बिक रही है।

कंपनी इसे अपडेटेड फीचर्स के साथ पेश करती है जिसके वजह से यह अपनी सेगमेंट की सबसे एडवांस बाइक में शामिल हो गई है। दरअसल, यहां हम आपको केटीएम आरसी 390 के बारे में बता रहे हैं जिसे कंपनी ने हाल ही में अपडेटेड डिजाइन और फीचर्स के साथ लॉन्च किया है। यह बाइक उन लोगों को सबसे पसंद आती है जो कम बजट में स्पोर्ट्स बाइक खरीदना चाहते हैं। हालांकि, एक स्पोर्ट्स बाइक की तुलना में इसकी कीमत कम हैं लेकिन फीचर्स, परफॉरमेंस और तकनीक में यह अपने सेगमेंट की सबसे बेहतरीन बाइक्स में से एक है। वहीं इसका कर्ब वजन 172 किलोग्राम है।नई केटीएम आरसी 390 का डिजाइन और लुक ऐसा है कि इसके सामने कई महंगी गाड़ियां भी फीकी लगने लगती हैं।

इस बाइक में 13.7 लीटर का फ्यूल टैंक लगाया गया है। ये बाइक शहर में 25.89 केएमपीएल और हाईवे पर 31.22 केएमपीए

ल की माइलेज देने में सक्षम है। अगर सस्पेंशन की बात करें तो बाइक में आगे अपसाइड डाउन टेलीस्कोपिक फोर्क और पीछे मोनोशॉक सस्पेंशन सेटअप का इस्तेमाल किया गया है। बाइक में अलॉय व्हील्स के साथ दोनों पहियों पर डिस्क ब्रेक लगाया गया है।

इस बाइक में 153एमएम का ग्राउंड क्लीयरेंस मिलता है।

5 नई एसयूवी कारें लांच करेगी होंडा

- सेडान और हैचबैक सेगमेंट में अपना जलवा दिखा चुकी है कंपनी

नई दिल्ली ।

जानी-मानी कंपनी होंडा आने वाले कुछ ही सालों में अपनी 5 नई एसयूवी कारें इंडिया में लॉन्च करने जा रही है। अब तक सेडान और हैचबैक सेगमेंट में अपना जलवा मनवाने वाली होंडा एलिवेट लॉन्च करने की शुरुआत के साथ ही अब कंपनी 5 नई एसयूवी 2030 तक देश में लॉन्च करेगी। होंडा कार्स इंडिया के सीईओ ताकुया त्सुमुरा ने बताया कि कंपनी का पूरा फोकस एसयूवी सेगमेंट पर है। हमारे लिए इस सेगमेंट में अपनी पोजिशन को बनाना काफी जरूरी है। इसका मुख्य कारण है कि ये सेगमेंट तेजी से बाजार में आगे बढ़ रहा है। कंपनी ने एलिवेट के साथ ही इसकी शुरुआत कर दी है और 5 नई गाड़ियों पर कंपनी काम कर रही है।कंपनी ने एलिवेट को लॉन्च करने के साथ ही बाजार में किफायती एसयूवी पेश करने की शुरुआत कर दी है। एलिवेट को कंपनी ने 10.99 लाख रुपये की शुरुआती कीमत पर लॉन्च किया है। वहीं इसका टॉप वेरिएंट 15.99 लाख रुपये में उपलब्ध है। अब ये कार नेक्सॉन, क्रेटा, ग्रैंड विटारा और सेल्टॉस जैसी कारों को कड़ी टक्कर देने की तैयारी में है।एलिवेट में 8-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस ऐप्पल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो कनेक्टिविटी, 6-स्पीकर साउंड सिस्टम, कनेक्टेड कार तकनीक, स्टीयरिंग-माउंटेड कंट्रोल, एलईडी प्रोजेक्टर फॉग लैंप, सिंगल-पेन सनरूफ, 17-इंच डुअल-टोन अलॉय व्हील, रिवर्सिंग कैमरा, प्रोजेक्टर हेडलैंप, एलईडी टेललाइट्स, ऑटोमेटिक एसी, पुश-बटन स्टार्ट/स्टॉप, 7-इंच सेमी-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, वायरलेस फोन चार्जिंग और अडास जैसे फीचर्स मिलते हैं।

एलिवेट में कंपनी ने 1.5 लीटर का 4 सिलेंडर नैचुरली एस्पिरेटेड आई वीटेक पेट्रोल इंजन दिया है। ये इंजन 121 बीएचपी की पावर और 145 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। कार में आपको 6 स्पीड मैनुअल और 7 स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स का ऑप्शन भी मिलता है। ये वही इंजन है जो कंपनी 5वीं जनरेशन होंडा सिटी में भी देती है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में शुक्रवार को तेजी देखने को मिल हैं। पिछले कई दिनों से कच्चा तेल 85 डॉलर के आसपास दर्ज किया जा रहा था लेकिन शुक्रवार को कच्चे तेल की कीमत 0.38 फीसदी गिर गई है। बता दें कि देशभर में 22 मई 2022 को केंद्र सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर लगने वाले उत्पाद शुल्क में कमी की थी। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में शुक्रवार को कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। चंडीगढ़ में 96.20 रुपए और डीजल 84.26 रुपए प्रति लीटर हो गया है। भोपाल में पेट्रोल

108.65 रुपए और डीजल 93.90 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

Sports

बुमराह फिर भारतीय टीम से जुड़े

कोलंबो । भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह एकबार फिर टीम से जुड़ गये हैं। बुमराह बच्चे के जन्म के कारण नेपाल के खिलाफ मुकाबले से पहले ही स्वदेश लौट गये थे। अब जबकि भारतीय टीम को 10 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ सुपर फोर मुकाबला खेलना है। उसके पहले बुमराह की वापसी अच्छी रहने की उम्मीद है। बुमराह के स्वदेश लौटने पर उनकी फिटनेस को लेकर आशंकाएं लगायीं जा रहीं थीं जो गलत साबित हुई हैं। बुमराह अपने पहले बच्चे के जन्म के दौरान अपने परिवार के साथ रहना चाहते थे। यही वजह है कि उन्होंने नेपाल के खिलाफ एक मुकाबले के लिए ब्रेक लिया था। . सुपर-4 में बुमराह की वापसी से भारतीय टीम का गेंदबाजी आक्रमण बेहतर होगा। बुमराह ने पाक के खिलाफ एकदिवसीय में अब तक कुल छह मुकाबले खेले हैं। इसमें पांच पारियों में उन्हें 48.75 की औसत से चार विकेट लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 23 रन पर दो विकेट रहा है। बुमराह ने अब तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुल 165 मैचों की 191 पारियों में 323 विकेट लिए हैं।

बोपन्ना ने अमेरिकी ओपन के फाइनल में पहुंचकर बनाया रिकार्ड

न्यूयॉर्क । रोहन बोपन्ना अमेरिकी ओपन ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंच गये हैं। 43 साल छह माह के बोपन्ना ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन के साथ अमेरिकी ओपन के पुरुष युगल के फाइनल में पहुंचे। इस प्रकार सबसे अधिक उम्र में ये उपलब्धि हासिल करने वाले वह पहले खिलाड़ी भारत के अनुभवी खिलाड़ी हैं। बोपन्ना और एबडेन की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने करीब डेढ़ तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में फ्रांस के पियरे-ह्यूजेस हर्बट और निकोलस माहुत की जोड़ी को 7-6 (3), 6-2 से पराजित किया।

इस प्रक्रिया में बोपन्ना ने अपने खेल से सभी को हैरान कर दिया। बोपन्ना, ग्रैंड स्लैम जीतने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी हैं। उन्होंने गैब्रिएला डाब्रोव्स्की के साथ 2017बी फ्रेंच ओपन मिश्रित युगल का खिताब जीता था। तब उन्होंने कनाडा के डैनियल नेस्टर के रिकॉर्ड को हराया था, जिन्होंने 43 साल और 4 महीने की उम्र में फाइनम तक का सफल तय किया था। बोपन्ना इस समय युगल रैंकिंग में 14वें स्थान पर हैं। यह दूसरी बार है, जब बोपन्ना अमेरिकी ओपन में पुरुष युगल फाइनल में पहुंचे हैं। इससे पहले साल 2010 में वह ऐसाम-उल-हक कुरेशी के साथ फाइनल में पहुंचे थे। बोपन्ना ने अब तक अपने करियर में 24 खिताब जीते हैं। अब फाइनल में उनका मुकाबला एंडी राम और जो सैलिसबरी की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी और दूसरी वरीयता प्राप्त इवान डोडिग व ऑस्टिन क्राजिसेक की जोड़ी के बीच होने वाले सेमीफाइनल की विजेता जोड़ी से होगा।

सुपर-फोर के भारत-पाक मुकाबले में भी बारिश का खतरा मंडराया

कोलंबो । भारत ओर पाकिस्तान के बीच 10 सितंबर को होने वाले एशिया कप क्रिकेट के सुपर फोर के मैच पर भी बारिश का साया मंडरा रहा है। इससे पहले दोनो के बीच हुए लीग स्तर के मैच में भी बारिश की बाधा आई थी। ऐसे में प्रशंसकों को एक बार फिर निराशा का सामना करना पड़ सकता है। ये दोनों ही टीमें नेपाल के खिलाफ शानदार जीत के साथ ही सुपर 4 में पहुंची हैं। वहीं अब मौसम विभाग की एक रिपोर्ट के अनुसार 10 तारीख को सुबह बारिश की काफी संभावनाएं हैं। खेल की शुरुआत में बारिश का खतरा बढ़ सकता है। वहीं शाम होने पर तापमान में कमी के बाद भी आसमान साफ होने की संभावना नहीं होगी और रात में भी भारी बारिश हो सकती है। इससे भारत को श्रीलंका और बांग्लादेश के खिलाफ सुपर फोर मैचों में भी परेशानी होगी। 12 सितंबर को भारत और श्रीलंका मुकाबले में भी बारिश की आशंका है। तब बारिश की 40 फीसदी संभावना है।

वहीं 15 सितंबर को बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले के दौरान मौसम में सुधार दिखने की उम्मीद है। बारिश के कारण एशिया कप के अंतिम चरण को कोलंबो से हंबनटोटा में स्थानांतरित करने की भी बात हुई थी पर एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने इससे इंकार करते हुए कहा कि टूर्नामेंट कोलंबो में ही होगा। इस फैसले की कई लोगों ने आलोचना भी की है।

महिला कोच से छेड़छाड़ मामले में मंत्री संदीप की अग्रिम जमानत याचिका पर 13 सितंबर को होगी सुनवाई

चंडीगढ़ । हरियाणा के खेल मंत्री संदीप सिंह की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। जूनियर महिला कोच से छेड़छाड़ के मामले में संदीप की अग्रिम जमानत याचिका पर 13 सितंबर को सुनवाई होगी जबकि जिला अदालत में 16 सितंबर को आरोपपत्र पर सुनवाई होगी। वहीं इस मामले की जांच कर रही एसआईटी की ओर से कहा गया है कि वह अग्रिम जमानत याचिका का विरोध करेगी और इसके लिए वह जवाब भी तैयार कर रही है। ताकि 13 सितंबर से पहले जिला अदालत में जवाब दायर कर दिया जाएगा। संदीप की अग्रिम जमानत याचिका खारिज होती है तो उनकी गिरफ्तारी होनी तय है। आरोपत्र के अनुसार, मंत्री ने पुलिस को बताया था कि जूनियर महिला कोच के साथ उनका कोई निजी संबंध नहीं है। जांच में ये बात गत साबित हुई है। मंत्री ने पुलिस को कहा था कि पीड़िता केवल उनसे 15 मिनट के लिए ही मिली थी। वहीं जूनियर महिला कोच ने उसकी जासूसी का भी आरोप मंत्री पर लगाया है। कोच ने आरोप लगाया कि एक व्यक्ति उसका पीछा कर रहा था। साथ ही कहा कि ये व्यक्ति आई.डी. से संबंध रखता है। ये सुबह से एक गाड़ी में कुछ लोगों के साथ उसका पीछ करा था। इस मामले की शिकायत उसने पुलिस में भी की है।

ट्रंप ने किया धोनी के लिए गोल्फ मैच का आयोजन

न्यूयार्क । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी आजकल अमेरिका दौरे पर हैं। यहां वह पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति प्रेजिडेंट डोनाल्ड ट्रंप और गोल्फरों के साथ नजर आये। ट्रंप भी धोनी के प्रशंसक बनते दिख रहे हैं। उन्होंने धोनी के लिए एक गोल्फ गेम का भी आयोजन किया है। इसमें धोनी , ट्रंप और कुछ और लोगों के साथ हैं। ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर छायी हुई हैं।

धोनी क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों में भी खासी रुचि रखते हैं। वह यहां अमेरिकी ओपन में अलकाराज और ज्वेरेव के बीच हुए क्वार्टर फाइनल मुकाबले को भी देखने पहुंचे। इस मैच से जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें धोनी नजर आ रहे हैं।

इससे पहले आईपीएल धोनी की कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स ने पांचवां खिताब जीता था। सीएसके ने अपने सारे खिताब उनकी कप्तानी में ही जीते हैं। ऐसी उम्मीद थी कि धोनी यह अपना आखिरी आईपीएल खेल रहे हैं हालांकि फाइनल के बाद माही ने कहा था कि अगर वह फिट रहे तो जरूर आईपीएल 2024 में भी खेलेंगे।

संक्षिप्त समाचार

मेसी के गोल से जीता अर्जेंटीना

ब्यूनस आयर्स । स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी के गोल से अर्जेंटीना ने दक्षिण अमेरिकी विश्व कप क्वालीफाइंग के अपने पहले मैच में इक्वाडोर को 1-0 से हरा दिया। मेसी ने दूसरे हाफ में फ्री किक पर गोल दागकर अपनी टीम को जीत दिलायी। मैसी ने दर्शकों की भारी भीड़ के सामने 78वें मिनट में यह निर्णायक गोल किया। मेसी का यह 176 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 104वां गोल है। वहीं विश्व कप क्वालीफाइंग मैचों में यह उनका 29वां गोल है। इसी के साथ ही उन्होंने उरूग्वे के लुई सुआरेज के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली है। वहीं दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग के अन्य मैचों में कोलंबिया ने राफेल सैंटोस बोरें के गोल से वेनेजुएला को 1-0 से हराया। ये गोल सैंटोस ने 46वें मिनट में किया।

अमेरिकी ओपन टेनिस के फाइनल में पहुंची गॉफ

न्यूयॉर्क । स्थानीय महिला खिलाड़ी कोको गॉफ अमेरिकी ओपन टेनिस के फाइनल में पहुंच गयी हैं। अमेरिका की गॉफ ने महिला एकल के सेमीफाइनल में चेक गणराज्य की करोलिना मुचोवा को 6-4, 7-5 से हराया। 19 साल की गॉफ ने अपने से अधिक उम्र की मुचोवा को हराकर पहली बार फाइनल में प्रवेश किया है। गॉफ ने छठे मैच अंक पर जीत दर्ज की। वह पिछले 22 वर्षों में यहां फाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की अमेरिकी खिलाड़ी हैं। उनसे पहले अमेरिका की ही सेरेना विलियम्स ने यह 2001 में मुकाम हासिल किया था। गॉफ ने मैच के बाद कहा कि मैं इस टूर्नामेंट को देखते हुए बड़ी हुई हूं, इसलिए फाइनल में जगह बनाना मेरे लिए काफी मायने रखता है। यह जश्न का समय है पर अभी काम पूरा नहीं हुआ है और मुझे उम्मीद है कि शनिवार को होने वाले खिताबी मुकाबले में आप सभी मेरा समर्थन करने के लिए आएंगे। वह पहला सेट जीतने के बाद जब दूसरे सेट में 1-0 से आगे चल रही थी तो पर्यावरण से जुड़े चार प्रदर्शनकारियों ने खेल में बाधा डाली। इन चारों को गिरफ्तार करके बाहर कर दिया गया है।

विश्वकप के बाद स्टोक्स के घुटने की सर्जरी होगी

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज नहीं खेलेंगे

नई दिल्ली । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स एकदिवसीय विश्वकप के बाद अपने घुटने की सर्जरी करायेंगे। ऐसे में वह अगले साल टेस्ट सीरीज के लिए होने वाले भारत दौरे से बाहर रहेंगे। स्टोक्स घुटने की चोट के कारण इस गेंदबाजी करते नहीं दिखे। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज के अंतिम 3 मैचों में बल्लेबाज के तौर पर ही उतरे। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में भी बल्लेबाज के तौर पर उतरेंगे। स्टोक्स ने कहा कि वह वर्ल्ड कप के बाद घुटने की सर्जरी करायेंगे। स्टोक्स ने एक साल पहले ही एकदिवसीय से संन्यास ले लिया था पर टीम प्रबंधन की अपील पर वह विश्वकप के लिए टीम में वापस आ गये हैं।

स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से पहले मीडिया से बात करते हुए कहा कि मैं जानता हूं कि क्या होने जा रहा है। मुझे नहीं लगता कि इस बात को बताने का यह सही समय है कि मैं क्या करने जा रहा हूं। स्टोक्स ने कहा कि मैं कुछ विशेषज्ञों से बात कर रहा हूं। हमारी एक योजना है। यह अच्छा है कि विश्वकप के बाद हमारे पास एक अच्छी योजना है, जिस पर हम अमल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मैं अगले सत्र में एक ऑलराउंडर के रूप में खेलना चाहता हूं। मेरी योजना विश्वकप के बाद घुटने की परेशानी को दूर करने की है। स्टोक्स अगर सर्जरी करवाते हैं, तो फिर उनकी भारत के खिलाफ 25 जनवरी से शुरू होने वाली 5 टेस्ट मैचों की सीरीज तक फिट होने की उम्मीद नहीं है क्योंकि किसी भी खिलाड़ी को घुटने के ऑपरेशन के बाद उससे उबरने में 8 से 12 सप्ताह तक लग जाते हैं। ऐसे में स्टोक्स आईपीएल के दौरान ही मैदान पर वापसी कर पाएंगे।

हर सीरीज से पहले विराट से सलाह करते हैं रोहित

कोलंबो । एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ 10 सितंबर को होने वाले मुकाबले से पहले भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने एक अहम खुलासा किया है। रोहित ने कहा है कि वह हर सीरीज के पहले पूर्व कप्तान विराट कोहली से सलाह करते है। इस दौरान विरोधी टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी सहित सभी मामलों पर बात होती है। रोहित ने इस दौरान मुख्य कोच राहुल द्रविड़ की सराहना करते हुए कहा कि अच्छा इंसान होना सबसे अहम है। उसके बाद ही आप क्रिकेटर हैं, फुटबॉलर हैं या डॉक्टर हैं। वह एक अच्छे इंसान हैं मैंने उनकी अगुवाई में ही डेब्यू किया हालांकि उनके साथ ज्यादा मुकाबले नहीं खेल सका। एनसीए में थे तो बातचीत होती रहती थी पर जब से वह कोच बने हैं तब से सभी मामलों पर उनसे चर्चा होती है। रोहित और विराट अभी भारतीय टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं ओर इन दोनो के ऊपर ही एशिया कप में जीत दिलाने की जिम्मेदारी है। भारतीय टीम अब सुपर फोर में पाक से खेलेगी। ये मुकाबला आर प्रेमदासा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। सभी क्रिकेट प्रेमियों को इस मुकाबले की बड़ी बेसब्री के साथ इंतजार है। इससे पहले दोनों टीमों के बीच दो सितंबर को भी पल्लेकेले में मुकाबला हुआ था पर वह मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया था। उस मैच में भारत का शीर्ष क्रम असफल रहा था। ऐसे में इस बार रोहित और विराट बड़ी पारी खेलना चाहेंगे।

सुपर 4 के सभी मैच नहीं हो पाये तो ये टीमें पहुंचेंगी फाइनल में

कोलंबो । यहां जारी एशिया कप में बारिश के कारण मुश्किलें पैदा हो गयीं हैं। बारिश के कारण ही भारत और पाक का एक मैच रद्द हो गया था। इसके अलावा भारत-नेपाल सहित अन्य मैचों में भी बारिश के कारण बाधा आई है। ऐसे में अब सवाल ये उठता है कि अगर इसी प्रकार सुपर-फोर के मैच भी नहीं हो पाये तो कौन सी टीम फाइनल में पहुंचेगी? इसका जवाब से ही कह पाक टीम ने पहले सुपर फोर मैच में बांग्लादेश को हराया है। ऐसे में पाक के दो अंक हैं और टीम अब एक भी मैच नहीं खेलती है तो भी मुकाबले नहीं होने पर उसके चार अंक हो जाएंगे। ऐसे में फाइनल में उसे जगह मिल जाएगी। वहीं भारत और श्रीलंका की टीमें 3 अंक तक पहुंच सकती है जबकि बांग्लादेश को एक मैच हारने के कारण दोनों मैच रद्द होने पर दो अंक ही मिलेंगे। ऐसे में उसे बाहर होना पड़ेगा। बारिश होने पर फाइनल में पहुंचने वाली दूसरी टीम का फैसला टॉस से होगा। ऐसे में भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और श्रीलंकाई कप्तान दासुन शनाका के बीच टॉस होगा। टॉस जीतने वाली टीम को फाइनल का टिकट मिलेगा और हारने वाली टीम बाहर हो जाएगी।

गांगुली विश्वकप के लिए चयनित टीम से संतुष्ट , कई दिग्गजों ने खारिज किया

मुम्बई । पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने जहां एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए चयनित भारतीय टीम को सही बताया है। गांगुली के अनुसार यह काफी अच्छी टीम है और इसमें सभी बातों का ध्यान रखा गया है। वहीं सात अन्य दिग्गजों ने इसे खारिज कर दिया है। गत दिवस ही बीसीसीआई ने विश्व कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा की थी। इसके बाद से ही इसपर विशेषज्ञों की राय आ रही है। पूर्व बल्लेबाज संजय बांगड़ ने कहा है कि इस टीम में ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर की जगह पर ऊंगली बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को रखना चाहिये था। इसी प्रकार पूर्व बल्लेबाज संज मांजरेकर ने कहा है कि टीम में ईशान किशन, अक्षर पटेल और शार्दुल ठाकुर की जगह नहीं बनती है। इनकी जगह यजुवेन्द्र चहल और अर्शदीप सिंह को जगह मिलनी थी। वहीं पूर्व सलामी बल्लेबाज के श्रीकांत के अनुसार श्रेयस अय्यर को शामिल करन गलत है। इस टीम में चहल और अर्शदीप को शामिल करना चाहिये था। वहीं पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैथ्यू हेडन के अनुसार स्पिनर कुलदीप यादव का चयन गलत है। इसके अलावा पूर्व स्पिनर पीयूष चावला के अनुसार टीम में अय्यर और अक्षर की जगह पर चहल को टीम में शामिल करना था। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान टॉम मूडी ने कहा कि सूर्यकुमार यादव को टीम में नहीं रखना था। इसके साथ ही कहा कि चहल को जगह नहीं मिलने पर उन्हें हैरान हुई है। वहीं पूर्व मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने टीम में ईशान किशन और शार्दुल ठाकुर की जगह पर सवाल उठाए हैं। साथ ही कहा कि चहल को शामिल किया जाना था।

सौरव गांगुली : एकमात्र गांगुली ही बीसीसीआई द्वारा चुनी गई टीम से संतुष्ट है। उनका मानना है कि यह परफेक्ट कंबीनेशन है।

भुवनेश्वर ने शानदार प्रदर्शन कर सभी का ध्यान खींचा

नई दिल्ली । भारतीय टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार आजकल यूपी टी20 लीग खेल रहे हैं। भुवनेश्वर ने यहां जबरदस्त गेंदबाजी कर एक बार फिर विश्वकप के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। भुवनेश्वर को विश्वकप के लिए संभावित 15 सदस्यीय भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है। भूवी ने अच्छी बल्लेबाजी के बाद आक्रामक गेंदबाजी की है। टी20 लीग के एक मैच में नोएडा सुपर किंग्स ने सुपर ओवर में काशी रुद्राज को हराया। इस मैच में भूवी ने सुपर ओवर में केवल 11 रन ही दिए। काशी को जीत के लिए सुपर ओवर में 20 रन बनाने थे। इससे पहले काशी रुद्राज की ओर से प्रिंय यादव ने 50 तो शिवम बंसल ने 37 जबकि शिवा सिंह ने 36 रन बनाए। इससे टीम ने पहले खेलते हुए 7 विकेट पर 165 रन का संघर्षपूर्ण स्कोर खड़ा किया। इस दौरान भुवनेश्वर ने 2 विकेट लिए। वहीं एक अन्य मैच में भुवनेश्वर कुमार ने मथुरा मैवरिक्स के खिलाफ 4 गेंद पर ही तेजी से 14 रन बना दिये।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रसायनिक खेती का बेहतर विकल्प

'बेंवर खेती'

यह जानकर आपको आश्चर्य होगा कि हमलोग प्रतिदिन 0.5 मिली ग्राम जहर खाते हैं। लेकिन यह सच है। इंटरनेशनल फाउंडेशन आफ आर्गेनिक एग्रीकल्चर मूवमेंट नामक अंतरराष्ट्रीय संस्था ने आलू के 100 नमूनों में से 12 और टमाटर के 100 नमूनों में से 48 में जहर पाया था। इसी तरह उत्तरप्रदेश के वैज्ञानिकों ने एक शोध में पाया कि हमारे शरीर में साल भर में करीब 174 मिली ग्राम जहर पहुंचता है और यह जहर अगर शरीर में एक साथ पहुंच जाए तो व्यक्ति की मृत्यु सुनिश्चित है। जानते हैं शरीर के अंदर यह जहर दूध, फल, सब्जी और अनाज खाने से धीमे गति से पहुंचता है और यह सब आज के रसायनिक खेती में उपयोग होने वाले उर्वरक के कारण हो रहा है।

देखा जाए तो हम लोग ज्यों-ज्यों विकास की ओर अग्रसर हो रहे हैं, हम अपनी संस्कृति और परंपराओं को पीछे छोड़ते जा रहे हैं। हमने वर्ष 1966-67 में हरित क्रांति का आगाज तो किया, लेकिन अंधाधुंध रसायनों और कीटनाशकों का उपयोग करके। जिसका परिणाम आज फलों व सब्जियों में जहर के रूप में सामने आ रहा है। मौजूदा समय में जरूरत है तो इस रसायनिक खेती के बेहतर विकल्प तलाशने की और वह जैविक खेती के रूप में सामने आ रहा है। अर्थात फिर से प्राकृतिक तरीके से खाद तैयार कर खेती करना। लेकिन हम आदिवासियों की 'बेंवर खेती' को क्यों भूल रहे हैं, जिसमें खेती करने के लिए न तो किसी प्रकार की खाद व दवाई की आवश्यकता पड़ती है और न ही सिंचाई करने के लिए पानी और हल से जोत की जरूरत। उसके बावजूद इसमें बम्पर पैदावार होती है। विशेषकर यह पहाड़ी इलाकों के लिए बेहतर विकल्प बनकर उभर सकता है।

रसायनिक खेती के जहां ज्यादा नुकसान हैं, वहीं बेंवर खेती के कई फायदे हैं। बिना हल चलाए खेती करने से पहाड़ अथवा ढ़लान की मिट्टी के कटाव को रोका जाता है। इसके खेत तैयार करने के लिए न तो पेड़ों को काटा जाता है और न ही जमीन जोती जाती है। इसकी सिंचाई व इसमें खाद डालने के लिए किसानों को सोचना भी नहीं पड़ता है। यह पूरी तरह बारिश पर निर्भर है। इसलिए इस तरह की खेती पहड़ी इलाकों में ज्यादा सुरक्षित है, जहां बारिश समय पर होती है। बेंवर खेती की मिश्रित प्रणाली के कारण फसल में कीड़ा लगने का खतरा भी नहीं रहता है। इसमें बाढ़ व आकाल झेलने की क्षमता भी होती है और यह कम लागत व अधिक उत्पादन की तर्ज पर काम करता है। फिलहाल बैगा आदिवासी इसमें डोंगर, कुटकी, शांवा, सलहार, मंडिया, खास, झुंझरू, बिदरा, डेंगरा, ज्वार, कांग, उड़द, ककड़ी, मक्का, भेजरा सहित सौ से ज्यादा अनाज उगाते हैं। इसके अलावा औषधि की भी खेती करते हैं।

बेंवर खेती के लिए जमीन तैयार करने में भी मशक्कत नहीं करनी पड़ती। मौजूदा खेती की तरह इसमें किसानों को न तो बिजली, पानी के लिए रोना पड़ता है और न ही उर्वरक लेने के लिए मारामारी करनी पड़ती है। इसमें सबसे पहले खेती की जमीन पर छोटे-छोटे पेड़ों व झाड़ियों को काटकर बिछाया जाता है, फिर झाड़ियां सूखने के बाद उसमें आग लगा दी जाती है। आग जलने के बाद राख की वहां एक परत बन जाती है, जिसमें बरसात शुरू होने से एक सप्ताह पहले विभिन्न किस्मों के बीज मिलाकर उसे खेत में छिड़क दिया जाता है। बारिश के बाद उसमें फसल लहलहाने लगता है।

आज भी इस तरह की खेती आदिवासी इलाकों में होती है। यह जैविक खेती का ही एक रूप है। डिंडौरी जिले के समनापुर विकासखंड के कई गांवों में बैगा आदिवासी इस तरह की खेती करके अनाज का उत्पादन करते हैं और अपनी आजीविका चलाते हैं। 'बेंवर खेती' पूरी तरह से जैविक, पारिस्थितिक, प्रकृति के अनुकुल और मिश्रित खेती है। इसकी खासियत यह है कि इस खेती में एक साथ 16 प्रकार के बीजों का इस्तेमाल किया जाता है, उनमें कुछ बीज अधिक पानी में अच्छी फसल देता है, तो कुछ बीज कम पानी होने या सूखा पड़ने पर भी अच्छा उत्पादन करता है। इससे खेत में हमेशा कोई-न-कोई फसल लहलहाते रहता है। इससे किसानों के परिवार को भूखे मरने की नौबत भी नहीं आती और न ही किसान को आत्महत्या करने की स्थिति उत्पन्न होती है। फिलहाल इस तरह की खेती पर रोक लगी हुई है। सन् 1864 में अंग्रेजों के वन कानून ने इस पर रोक लगा दी है। उसके बाद भी डिंडौरी जिले के बैगाचक और बैगाचक से लगे छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में कुछ बैगा जनजाति 'बेंवर खेती' को अपनाए हुए है। सरकार को चाहिए की इसे बढ़ावा दे और इससे शहरी किसानों को भी जोड़े।

लेकिन हम आदिवासियों की 'बेंवर खेती' को क्यों भूल रहे हैं, जिसमें खेती करने के लिए न तो किसी प्रकार की खाद व दवाई की आवश्यकता पड़ती है और न ही सिंचाई करने के लिए पानी और हल से जोत की जरूरत। उसके बावजूद इसमें बम्पर पैदावार होती है। विशेषकर यह पहाड़ी इलाकों के लिए बेहतर विकल्प बनकर उभर सकता है।

सब्जियों की खेती के लिए तैयार करें पौधशाला

सब्जियों की खेती के लिए पौधशाला या नर्सरी में पौध तैयार करना एक कला है। इसे अच्छी तरह से तैयार करने के लिए तकनीकी जानकारी का होना आवश्यक है। सब्जियों की नर्सरी को मौसम और बेमौसम की दशा में सफलतापूर्व तैयार करने के लिए वैज्ञानिक तकनीकी अपनाकर किसान अच्छी खेती कर सकते हैं।

सब्जियों की खेती दो प्रकार से की जाती है। पहली में सब्जियों के बीजों को सीधा खेत में बिजाई कर दी जाती है जैसे - मटर, भिंडी, लोबिया, गाजर, मूली, शलगम व कद्दूवर्गीय फसलें, पत्ते वाली सब्जियां व फ्रेंच बीन आदि। दूसरे प्रकार में पहले बीजों को पौधशाला में बिजाई करके पौध तैयार की जाती है उसके बाद पौध की खेत में रोपई की जाती है जैसे - फूलगोभी, पत्तागोभी, ब्रोकली, टमाटर, बैगन, मिर्च, शिमला मिर्च, प्याज व गांठगोभी आदि।

उत्तर भारत में फूलगोभी व मिर्च की अगेती व मध्यकाल फसल की पौध तैयार करने के समय अधिक गर्मी के साथ-साथ वर्षा भी होती रहती है जिससे नर्सरी में आर्द्रगलन रोग लग जाने के कारण काफी पौध मर जाती है।

पौधशाला तैयार करने का स्थान-

पौधशाला या नर्सरी हमेशा ऊंचे स्थान पर तैयार करें जिसमें पानी ना भर सके तथा उसका उचित जल निकास हो सके। नर्सरी के नजदीक छायादार वृक्ष नहीं होने चाहिए। नर्सरी की भूमि बलुई दोमट व पीएच मान छह से सात के बीच होना चाहिए। नर्सरी को जहां तक हो उसी खेत के किनारे तैयार करना चाहिए जहां उनकी रोपाई करनी है।

सब्जियों की स्वस्थ पौध तैयार करने के लिए आवश्यक बातें -

बीज की बिजाई करने से पहले बीज जनित व्याधियों से बचाने के लिए बीज का उपचार करना चाहिए। इसके लिए दो ग्राम कैप्टान, भाहरम या बापस्टिन प्रति किलोग्राम बीज में करना चाहिए।

सब्जियों की पौध तैयार करने के लिए तीन गुणा एक मीटर लम्बाई व चौड़ाई की क्यारियां बनानी चाहिए। बीच में एक फुट रास्ता खर पतवार निकालने व निराई-गुड़ाई के लिए छोडना चाहिए।

तीन मीटर लम्बी क्यारी के लिए दस किलोग्राम गोबर की सड़ीगली खाद व पौषकतत्व सौ ग्राम यूरिया, 150 ग्राम डीएपी व 120 ग्राम स्यूरेट आफ पोचश प्रति क्यारी की दर से मिलाकर क्यारी तैयार करनी चाहिए।

नर्सरी में पौध को रोगों से बचाने के लिए क्यारियों की मिट्टी का उपचार अवश्य करवा लें। पौध खेत में लगाने के लिए पंद्रह दिन पहले नर्सरी की सिंचाई में कमी कर दें। पौध उखाडने के 24 घंटे पहले खेत में खुला पानी लगा दें ताकी पौधों की जड़ों को नुकसान ना पहुंचे। पौध की रोपाई हमेशा शाम के समय करें। पौध लगाने के बाद हल्की सिंचाई करें।

अगर किसान भाई उपरोक्त बातों का ध्यान रखते हैं एक तो पौध सारी की सारी कामयाब होगी, मरने की संभावना इसमें काफी कम रहती है। इसके साथ ही साथ खेत में पौध का जमाव भी अच्छा होगा। इस प्रकार फसल अच्छी होगी और किसान भाई निर्धारित खर्च में अच्छा मुनाफा कमाने में सफल होंगे।

माली में हुए दो आतंकवादी हमले में 15 सैनिकों की मौत

बमाको (ईएमएस)। अफ्रीकी देश माली में हुए दो आतंकवादी हमले में कम से कम 49 नागरिक और 15 सैनिक मारे गए। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया पहला हमला आतंकियों ने नाइजर नदी पर टिम्बकटू नाव पर किया वहीं, दूसरा हमला आतंकियों ने बंबा के मालियन सशस्त्र बल (एफएएमए) के एक सैन्य ठिकाने पर किया। बयान में कहा गया, इस दोहरे हमले के जवाब में, हमारे बहादुर एफएएमए की संयुक्त हवाई-जमीन कार्रवाई ने लगभग 50 आतंकवादियों को मार गिराया।सभी यात्रियों को निकालने और स्थानों को सुरक्षित करने की तत्काल व्यवस्था की गई। हमलों के कुछ घंटों बाद माली के अंतरिम राष्ट्रपति असिमी गोइता ने तीन दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की। माली पर 2020 से सैन्य जुंटा का शासन है।

कनाडा में फिर हिन्दु मंदिर पर तोड़फोड़, लिखा पंजाब भारत नहीं

विक्टोरिया। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में एक हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की गई। एक महीने के भीतर सामने आई यह दूसरी वारदात है। यह मंदिर माता भामेश्वरी दुर्गा देवी का है, जो सरे में स्थित है। मंदिर पर काले रंग के स्प्रे से भारत विरोधी संदेश लिखे गए थे। मंदिर की दीवारों पर लिखा गया, पंजाब भारत नहीं है। सोशल मीडिया पर इसकी कई तस्वीरें भी वायरल हो रही हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि हिंदू मंदिर श्री माता भामेश्वरी दुर्गा देवी सोसाइटी में तोड़फोड़ की गई है। दीवारों पर काले स्प्रे पेंट से भारत विरोधी कुछ संदेश लिखे गए हैं। समुदाय में दहशत पैदा करने के लिए इस तरह के कायरतापूर्ण हमले बढ़ रहे हैं। पुलिस को घटना के बारे में सतर्क कर दिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। सरे की घटना एक महीने से भी कम समय के बाद हुई है जब ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में एक और प्रमुख मंदिर में खालिस्तानी लोगों द्वारा तोड़फोड़ की गई थी। 12 अगस्त को, दो अज्ञात लोगों ने सरे में एक मंदिर को हिंदू विरोधी और भारत विरोधी संदेशों से विरूपित कर दिया था।

रुस से बढ़ेगी अमेरिका की तानातनी, यूक्रेन को दे रहा 60 करोड़ डॉलर

वॉशिंगटन । अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के यूक्रेन दौरे के ठीक एक दिन बाद पेंटागन ने यूक्रेन के लिए दीर्घकालिक सहायता के तौर पर 60 करोड़ डॉलर के नए सहायता पैकेज की घोषणा की है। विदेश मंत्री ब्लिंकन ने यात्रा के दौरान नई सैन्य एवं मानवीय सहायता के लिए एक अरब डॉलर देने का वादा भी किया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि नया पैकेज यूक्रेन सुरक्षा सहायता पहल के माध्यम से दिया जाएगा। इस सहायता में यूक्रेन की हवाई रक्षा प्रणालियों को बनाए रखने और एकीकृत करने के लिए उपकरण, हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम (एचआईएमएआरएस) के लिए गोला-बारूद, इलेक्ट्रॉनिक हथियारों से लड़े जाने वाला युद्ध और इसका सामना करने के लिए उपकरण, खदान-समाशोधन उपकरण के साथ प्रशिक्षण एवं रखरखाव आदि शामिल है। यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद से अमेरिका लगातार देश को सहयोग दे रहा है और इसके बीच इतनी बड़ी सहायता राशि की घोषणा की गई है। ब्लिंकन ने बुधवार को कीव की यात्रा के दौरान घोषणा की थी कि पेंटागन उन हथियारों के लिए लगभग 17.5 करोड़ डॉलर प्रदान करेगा जिन्हें पेंटागन के भंडार से दिया जाएगा। इसके साथ ही यूक्रेन को हथियार एवं उपकरण खरीदने के लिए अतिरिक्त 10 करोड़ डॉलर का अनुदान दिया जाएगा।

अपने कब्जे वाले यूक्रेन के शहरों में मतदान कर रहा रुस

कीव । यूक्रेन को हथियाने के लिए पुतिन किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार है। अब रूस ने नया प्लान बनाया है। भले ही रूस को यूक्रेन के कुछ क्षेत्र न मिले हों, लेकिन वह वहां पर जबरदस्ती चुनाव करवाने में लगा है, ताकि इन्हें अपना शहर बता सके। रिपोर्ट के अनुसार, सप्ताह के अंत में यूक्रेन ने जिन हिस्सों पर कब्जा किया है, उसमें रुस चुनाव करवा रहा है। जगह-जगह मतदान केंद्र भी स्थापित कर दिए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इनमें डोनेट्स्क, लुहान्स्क, खेरसॉन और ज़ापोरिज़िया क्षेत्र शामिल हैं। यहां रूस ने विधानसभाओं के लिए मतदान शुरू करवा दिए हैं, जो रविवार को समाप्त होगा। पश्चिमी देश रूस की मनमानी की घोर निंदा कर रहे हैं, लेकिन रूस इन्हें अनदेखा कर रहा है। राजनीतिक विश्लेषक अब्बास गैल्यामोव ने कहा कि यह मतदान जारी रखना महत्वपूर्ण है। रूसी अधिकारियों का लक्ष्य है कि उन्हें 80 प्रतिशत आबादी को मतदान करवाना है। जापोरिज़िया क्षेत्र में रूस के कब्जे वाले शहर मेलिटोपोल के यूक्रेनी मेयर इवान फ्योडोरोव ने बताया कि स्थानीय निवासियों को प्रभावी ढंग से वोट देने के लिए मजबूर किया जा रहा है। उन्होंने कहा, जब आपके सामने कोई हथियारबंद व्यक्ति खड़ा हो तो ना कहना मुश्किल होता है। यहां रूसी लोग बाजारों, किराना दुकानों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर लोगों को वोट डालने के लिए प्रेरित करते हैं। जिन लोगों ने रूसी नागरिकता प्राप्त कर ली है और जिनके पास अभी भी यूक्रेनी पासपोर्ट है, उन्हें भी वोट देने की अनुमति है।

चीन के शेन्जेन शहर में टूटा बारिश का 71 साल पुराना रिकॉर्ड

शेन्जेन। चीन में गुआंग्डोंग प्रांत के शेन्जेन शहर में हो रही मूसलाधार बारिश ने 71 साल पुराने रिकार्ड को तोड़ दिया है। नगरपालिका मौसम विज्ञान ब्यूरो ने बताया कि शेन्जेन शहर में शाम पांच बजे से गुरुवार से शुक्रवार सुबह छह बजे तक औसत वर्षा 202.8 मिमी और अधिकतम संचयी बारिश 469 मिमी तक दर्ज की गई है। ब्यूरो ने बताया कि शहर में हो रही बारिश अत्यधिक तेजी, लंबे समय और मूसलाधार बारिश की विस्तृत श्रृंखला है जिसमें चार बारिश के रिकॉर्ड, दो घंटे, तीन घंटे, छह घंटे और 12 घंटे की अधिकतम बारिश शामिल है। इस बारिश से शेन्जेन में 1952 में हुई बारिश का रिकॉर्ड टूट गया है। यहां भारी बारिश जारी रहने का अनुमान व्यक्त किया है। शेन्जेन के बाढ़, सूखा और तूफान नियंत्रण मुख्यालय ने नोटिस जारी कर शहर भर के प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल और किंडरगार्टन नागरिकों की सुरक्षा और संपत्ति के लिए स्कूलों को आज बंद रखने का निर्देश दिया है।उन्होंने कहा कि छह सबवे लाइनों के कुछ हिस्सों में सेवा निलंबित रहेंगी। बारिश से बुरी तरह प्रभावित लुओहू जिले में उद्यम और सार्वजनिक संस्थान और जिले में रहने वाले निवासी भी शुक्रवार को काम बंद रखने वाले हैं। अधिकारियों ने लोगों को पहाड़ों, नदियों, ढलानों और रिटेनिंग दीवारों जैसे खतरनाक क्षेत्रों से दूर रहने के लिए सर्तक किया।

एक साथ 16 कंपनियों में काम कर रही महिला, बिना ऑफिस गए ले रही मोटी सैलरी

बीजिंग । एक महिला की धोखाधड़ी की कहानी इनदिनों चर्चा में है। महिला एक साथ 16 अलग अलग कंपनियों में नौकरी कर रही थी। मगर हैरानी की बात ये है कि वे कभी दफ्तर नहीं गई। फिर भी महिला खूब पैसा कमा रही थी। ऐसा तीन साल से हो रहा था। इसतरह महिला इतनी मालामाल हुई कि एक बंगला भी खरीद लिया। लेकिन अब पुलिस ने महिला को पकड़ लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, गुआन जॉब इंटरव्यू के दौरान तस्वीरें क्लिक कर रही थी। तभी इन्हें अलग अलग कंपनियों के चैट ग्रुप्स पर शेयर कर दिया। महिला ने सभी ग्रुप्स पर लिखा कि वे क्लाइंट्स के साथ मीटिंग कर रही थी। मगर इस बार उसकी ये चोरी पकड़ी गई। 16 नौकरियां एक साथ करने के लिए उसने हर एक डिटेल अपने पास लिखी हुई थी, जैसे कंपनी का नाम, नौकरी शुरू होने की तारीख, पद का नाम, सभी जगह मिली पोजीशन और सैलरी के अलग अलग बैंक अकाउंट हैं। महिला एक साथ कई कंपनियों को बेवकूफ बना रही थी। गुआन के साथ अपराध में उसका पति चेन कियांग भी शामिल है। मामले का खुलासा उस वक्त हुआ, जब जनवरी 2023 में एक कंपनी के मालिक लियु जियान ने दस्तावेजों में गड़बड़ी का पता लगाया। अक्टूबर 2022 में कंपनी ने टीम लीडर सहित सात अन्य लोगों को हायर किया था। इसमें टीम लीडर की सैलरी 20 हजार युआन थी। बाकी की सैलरी इससे आधी थी। इनके सीवी में काम का अनुभव काफी अच्छा बताया गया था। लेकिन ये लोग उम्मीद मुताबिक काम नहीं कर सके। सभी के साथ कॉन्ट्रैक्ट समाप्त कर दिए गए। इसके बाद लियु को सभी के दस्तावेजों में गड़बड़ी दिखाई दी। उन्होंने पुलिस को जानकारी दी। जब जांच हुई तब पता चला कि गुआन के कई बैंक अकाउंट हैं। इनमें सैलरी के तौर पर खूब पैसा आ रहा है। इनका एक बड़ा गैंग है, जो कंपनियों को बेवकूफ बनाकर नौकरी लेता है। ये लोग फर्जी दस्तावेजें और लुभावने सीवी के बल पर नौकरी हासिल करते हैं। क्लाइंट से मीटिंग का बहाना बनाते हैं और सैलरी लेते रहते हैं। आखिर में कंपनियां परेशान होकर इन्हें खुद ही निकाल देती हैं।

क्रोएशिया में लूको आतंकवाद विरोधी इकाई अपने कौशल का प्रदर्शन करती हुई।

यूरोप दौर पर राहुल गांधी ब्रसेल्स में सांसद से की बात

लंदन । कांग्रेस नेता और पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी ने यूरोप के तीन देशों के अपने दौरे की शुरुआत कर ब्रसेल्स में यूरोपीय संसद के कुछ सदस्यों के साथ बंद कमरे में बैठक की। सूत्रों के मुताबिक, ब्रसेल्स में उनकी बैठक में जिन विषयों पर चर्चा की गई, उसमें मणिपुर में मानवाधिकार की स्थिति का मुद्दा भी शामिल है। इससे पहले जुलाई में यूरोपीय संघ ने प्रस्ताव पारित किया था।

कांग्रेस पार्टी के सूत्रों ने कहा कि चर्चा सफल रही। कांग्रेस ने बैठक की पुष्टि कर लिखा, राहुल गांधी ने यूरोपीय संसद के सदस्यों के साथ गोलमेज सम्मेलन में हिस्सा लिया। सांसद अलविना अलमेत्सा और सांसद पियरे लारौतुरौ ने इसकी मेजबानी की। राहुल गांधी ने इसके बाद मानवाधिकार के मुद्दों पर केंद्रित नागरिक समाज संगठनों द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया। दिन का समापन बेल्जियम स्थित भारतीय प्रवासियों के साथ रात्रि भोज पर बातचीत के साथ हुआ। राहुल गांधी शुक्रवार को ब्रसेल्स में उद्योगपतियों के साथ बैठक और मीडिया से बातचीत के बाद पेरिस के लिए रवाना हो जाएंगे। 11 सितंबर को राहुल गांधी नॉर्वे जाएंगे, जहां वह राजधानी ओस्लो में सांसदों से मुलाकात करने वाले हैं। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि इंडियन ओवरसीज कांग्रेस गांधी के लिए कार्यक्रम आयोजित कर रही है। गांधी का जी20 शिखर सम्मेलन के समापन के एक दिन बाद 12 सितंबर की रात स्वदेश लौटने का कार्यक्रम है।

बेगानी शादी में अब्दुला दीवाना !

भारत बनाम इंडिया की बहस में कूदा चीन, सामने आया 'ड्रैगन' का प्रोपेगेंडा टूल

जकार्ता (एजेंसी)। भारत में जी20 की मेजबानी के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों का आगमन दिल्ली में शुरू भी हो चुका है। देश में एक अलग ही मुद्दे पर बहस भी चल रही है। ये बहस इंडिया बनाम भारत को लेकर है। इस मुद्दे पर चीन जबरदस्ती अपनी टांग अड़ाता नजर आ रहा है। जहां संयुक्त राष्ट्र संघ में चीन का पत्रकार सवाल पूछता है तो वहीं चीन का अखबार ग्लोबल टाइम्स इस मामले को लेकर तंज करता है। इस पूरे मामले में चीन कही न कही एक गैर जायज दिलचस्पी भी दिखा रहा है। ये भारत का आंतरिक मामला है। यूएन के अंदर भारत की तरफ से किसी तरह का कोई प्रस्ताव नहीं दिया गया है। यूएन की तरफ से ये साफ किया गया कि अगर भारत की तरफ से कोई प्रस्ताव दिया जाता है तो उस पर यूएन विचार करेगा। जिस तरह से उसने तुर्की के तुर्किए नाम को लेकर विचार कर उसे स्वीकार किया था। ये किसी भी देश का अपना अधिकार करता है और ये चाहता है कि उसे नए नाम से जाना जाए। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र संघ उसी नाम को स्वीकार करता है।

इस पूरे मामले को लेकर चीन दिलचस्पी दिखाते हुए तंज भी कस रहा है। चीन का सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स है। इसी अखबार के अंदर कहा गया है कि इंडिया या भारत इसके साथ ही इस

पर सवालिया निशान लगाया गया है। इसके साथ ही कहा गया है कि देश के पास और भी मुद्दे हैं। चीन के अखबार का कहना है कि देश का नाम बदलने से ज्यादा अहम आर्थिक सुधार को बढ़ावा देना है। जी20 निमंत्रण पत्र में भी ये तंज किया गया कि जी20 के निमंत्रण पत्र में प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया की जगह प्रेसिडेंट ऑफ भारत लिखा गया है। ये भारत का अपना विशेषाधिकार है। भारत में इस नाम पर विवाद शुरू हो गया। ये भारतीयों तक रहने देना चाहिए कि वो अपने देश का नाम कैसे तय करते हैं। विश्व का ध्यान जी 20 पर है। ऐसे में नई दिल्ली क्या संदेश देना चाहती है?

उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने ऐसा क्या कह दिया कि अमेरिका में मच गई खलबली

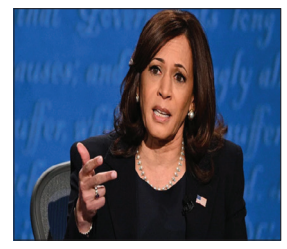

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल के बारे में ऐसा बयान दिया है, जिससे पूरे अमेरिका में खलबली मच गई है। हैरिस ने कहा कि अगर बाइडेन राष्ट्रपति का अपना कार्यकाल पूरा करने में असमर्थ रहते हैं, तब वह राष्ट्रपति का पद संभालने के लिए तैयार हैं।

हैरिस की प्रतिक्रिया तब आई जब उन्होंने शुरू में बुजुर्ग बाइडेन की राष्ट्रपति पद की उपलब्धियों की ओर इशारा करके उनकी उम्र के बारे में एक सवाल को टालने की कोशिश की। एक इंटरव्यू में हैरिस से पूछा था कि 'राष्ट्रपति की उम्र के बारे में सवाल अक्सर इस सवाल के साथ-साथ चलते हैं कि अगर जरूरी हो तब आप उस भूमिका को कैसे निभाएगी। क्या आप उस संभावना के लिए तैयार महसूस करती हैं? क्या उपराष्ट्रपति के रूप में सेवा करने से आप उस पद के लिए तैयार हुईं हैं? इसके जबाव में भारतीय मूल की उपराष्ट्रपति हैरिस इसका जवाब 'हां' में दिया।

उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा कि 'सबसे पहले मैं आपके काल्पनिक सवाल का जवाब दे रही हूं। जो बाइडेन ठीक होते जा रहे हैं। इसलिए यह पूरा नहीं होने वाला है। लेकिन हमें यह भी समझना चाहिए कि हर उपराष्ट्रपति जब वह शपथ लेता है, तब समझता है कि उन्हें राष्ट्रपति का काम संभालने की जिम्मेदारी के बारे में बहुत साफ होना चाहिए। मैं अलग नहीं हूं। गौरतलब है कि जो बाइडेन पहले से ही अमेरिका के सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति हैं। वह नवंबर में 81 साल के हो जाएंगे और अगले साल के चुनाव में दूसरा कार्यकाल चाह रहे हैं।

बहरहाल खबरें सामने आ रहीं हैं कि कथित तौर पर सार्वजनिक रूप से हैरिस की प्रशंसा करने के बावजूद बाइडेन उनसे खुश नहीं हैं। हाल के सर्वेक्षणों के अनुसार हैरिस की फेवरेबिलिटी रेटिंग बाइडेन से भी कम है। जिसका मतलब है कि 40.7 प्रतिशत जनता उनके काम को मंजूरी देती है, जबकि 41.7 प्रतिशत लोग उनके बॉस बाइडेन को स्वीकार करते हैं। 2020 में बाइडेन ने पहली महिला और दूसरी गैर-श्वेत उपराष्ट्रपति हैरिस को चुनाव में अपने साथी के रूप में चुना था।

उत्तर कोरिया ने नई परमाणु पनडुब्बी का किया अनावरण

वाशिंगटन (एजेंसी)। सियोल (ईएमएस)। उत्तर कोरिया ने एक नवनिर्मित सामरिक परमाणु हमला पनडुब्बी लांच की है, जो पानी के भीतर परमाणु हमला करने में सक्षम है। राष्?ट्रपति किम जोंग-उन ने उत्तर कोरिया के परमाणु निरोध को और मजबूत करने का संकल्?प लिया। यह जानकारी मीडिया ने दी। मीडिया के अनुसार, पनडुब्बी के लॉन्चिंग समारोह में उत्तर कोरियाई नेता ने भाग लिया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी (डब्ल्यूपीके) का जिक्र कर कहा, पनडुब्बी-प्रक्षेपण समारोह ने उत्तर कोरिया की नौसैनिक शक्ति को मजबूत करने के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत की और राज्य परमाणु निरोध को और मजबूत करने के लिए डब्ल्यूपीके और उत्तर कोरिया सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति को स्पष्ट कर दिया। हीरो किम कुन ओके नाम की सामरिक परमाणु हमला पनडुब्बी नंबर 841 पानी के भीतर आक्रामक साधनों में से एक के रूप में अपने लड़ाकू मिशन को अंजाम देगी। किम ने कहा, यह तथ्य कि परमाणु हमला पनडुब्बी, जिसे दशकों से हमारे गणतंत्र के खिलाफ आक्रमण का प्रतीक माना जाता था, अब हमारी शक्ति का प्रतीक है, जो दुश्मनों को भयभीत करती है और यह दुनिया द्वारा अनदेखी हमारी अपनी शैली की एक नई पनडुब्बी है। उन?होंने संकेत दिया कि नवीनतम कदम का उद्देश्य अमेरिकी परमाणु-संचालित पनडुब्बियों का मुकाबला करना है। नौसेना को परमाणु हथियारों से लैस करने को समय की जरूरत बताकर किम ने नौसेना में तेजी से बदलाव का आग्रह किया। उन्होंने परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी सहित अधिक पनडुब्बियां बनाने की देश की योजना की भी घोषणा की। किम ने इस बात पर जोर दिया कि भू-राजनीतिक स्थिति के साथ-साथ दुश्मनों के हालिया आक्रामक प्रयासों को देखकर नौसेना बल का तेजी से विकास राष्ट्रीय रक्षा के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकारी मीडिया द्वारा जारी प्रारंभिक तस्वीरों से पता चलता है कि नवीनतम पनडुब्बी 10 मिसाइल ट्यूबों से सुसज्जित है, जो संभवतः पनडुब्बी से प्रक्षेपित बैलिस्टिक मिसाइलों (एसएलबीएम) को दाग सकती है।

यूएन प्रमुख गुतारेस को जी20 को लेकर भारत से बहुत उम्मीद

जकार्ता (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने विश्वास व्यक्त किया है कि जी20 की अध्यक्षता के दौरान नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के लिए तैयार भारत, यह सुनिश्चित करने के लिए ''हर संभव'' प्रयास करेगा कि मौजूदा भू-राजनीतिक विभाजन मिट जाए तथा विश्व नेताओं की महत्वपूर्ण सभा ''संभावित परिणाम'' के साथ संपन्न हो। यूएन महासचिव गुतारेस नौ और 10 सितंबर को जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए शुक्रवार को दिल्ली पहुंच रहे हैं, जिसके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन सहित विश्व नेता भारत की यात्रा कर रहे हैं। गुतारेस ने जकार्ता में 13वें आसियान-संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन में कहा, मुझे विश्वास है कि भारत यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेगा कि मौजूदा भू-राजनीतिक विभाजन को दूर कर जी20 संभावित परिणामों के साथ संपन्न हो सके। वह जी20 के मेजबान के रूप में भारत से उनकी अपेक्षाओं के साथ-साथ अफ्रीकी संघ (एयू) को दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के समूह में लाने के लिए नई दिल्ली के समर्थन पर एक

सवाल का जवाब दे रहे थे। भारत ने पिछले साल दिसंबर में वर्ष भर के लिए जी20 की अध्यक्षता संभाली और दिल्ली में इस समूह के नेताओं का शिखर सम्मेलन यूक्रेन युद्ध, कोविड-19 महामारी का प्रभाव, आर्थिक मंदी, जलवायु परिवर्तन, बढ़ती गरीबी सहित कई भू-राजनीतिक चुनौतियों, असमानताओं के बीच हो रहा है। गुतारेस ने कहा कि चूंकि वह जी20 शिखर सम्मेलन में भाग ले रहे हैं, इसलिए कुछ सवाल हैं जो उनके लिए जरूरी हैं। उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय वास्तुकला को आज की दुनिया की जरूरतों के अनुकूल बनाने के लिए इसमें सुधार के बारे में एक स्पष्ट संदेश होना चाहिए।'' संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा कि एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू ऋण राहत और दीर्घकालिक रियायती धन तक पहुंच की स्थिति बनाना है ताकि विकासशील देशों को कोविड-19, यूक्रेन में युद्ध और कई अन्य स्थितियों के प्रभावों से उबरने में सक्षम बनाया जा सके, जो कई देशों को कर्ज संकट के कगार पर पहुंचा रहा है। गुतारेस ने कहा कि कई देशों को ऐसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें उनके पास अपने लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए राजकोषीय गुंजाइश नहीं है। गुतारेस ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की अफ्रीकी संघ के साथ बहुत ठोस साझेदारी है। उन्होंने कहा कि अफ्रीका के पास आज के अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में प्रतिनिधित्व की ''गंभीर समस्या'' है। उन्होंने कहा, ''मैं एक अफ्रीकी देश की कम से कम सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य के रूप में उपस्थिति का दृढ़ता से समर्थन करता हूं। मैं देख सकता हूं कि अफ्रीका की मजबूत भागीदारी के लिए 'ब्रेटन वुड्स प्रणाली' में सुधार करना आवश्यक है और निसंदेह मुझे अफ्रीकी संघ को जी20 के सदस्य के रूप में देखकर बहुत खुशी होगी।''

पराग में आग उगलने वाले की ताकत नहीं, इस कारण निकाला : मस्क

वाशिंगटन (ईएमएस)। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने भारतीय मूल के पूर्व ट्विटर सीईओ पराग अग्रवाल को कंपनी से निकालने का कारण बताया। मस?क की एक नई जीवनी के अनुसार अग्रवाल सोशल मीडिया की मांग अनुसार काम नहीं कर पा रहे थे। पुस्तक से प्रकाशित अंशों के अनुसार, मस्क अग्रवाल के बारे में काफी विचारशील हैं। उन्हें यह कहते हुए उद्धृत किया गया है, वह वास्तव में एक अच्छा लड़का है, लेकिन प्रबंधकों को पसंद किए जाने का लक्ष्य नहीं रखना चाहिए। ट्विटर को आग उगलने वाले ड्रैगन की जरूरत है, और पराग वह नहीं है। पिछले साल अक्टूबर में उन्होंने 44 बिलियन डॉलर में ट्विटर का अधिग्रहण किया, तब मस्क ने अग्रवाल और पूर्व कानूनी और सार्वजनिक नीति प्रमुख विजया गड्डे को सूचित किया कि कंपनी के साथ उनका रोजगार समाप्त हो गया है। दोनों अधिकारियों को मोटा एग्जिट पैकेज मिलना था। अग्रवाल आखिरी बार 6 अक्टूबर, 2022 को ट्विटर पर सक्रिय थे, और उन्हें मेटा थ्रेड्स सहित किसी भी अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सक्रिय नहीं देखा गया है।

दामाद के रूप में भारत आना बेहद खास, यूके में किसी भी प्रकार का उग्रवाद नहीं बर्दाश्त: ऋषि सुनक

बीजिंग (एजेंसी)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने समाचार एजेंसी एएनआई को दिए इंटरव्यू में कहा कि मोदी जी और मैं दोनों हमारे दोनों देशों के बीच एक व्यापक और महत्वाकांक्षी व्यापार समझौते को संपन्न होते देखना चाहते हैं... व्यापार सौदों में हमेशा समय लगता है, उन्हें दोनों देशों के लिए काम करने की आवश्यकता होती है। हालांकि हमने काफी प्रगति की है लेकिन अभी भी कड़ी मेहनत बाकी है। जी20 भारत के लिए एक बड़ी सफलता रही है। भारत इसकी मेजबानी के लिए सही समय पर सही देश है। मुझे लगता है कि हमारे पास कुछ दिनों तक विचार-विमर्श और निर्णय लेने का बहुत अच्छा मौका होगा।

खालिस्तान मुद्दे पर यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा कि यह वास्तव में एक महत्वपूर्ण सवाल है और मुझे स्पष्ट रूप से कहना चाहिए कि यूके में किसी भी प्रकार का उग्रवाद या हिंसा स्वीकार्य नहीं है। इसीलिए हम बहुत करीब से काम कर रहे हैं। विशेष रूप से %पीकेई% खालिस्तान समर्थक चरमपंथ से निपटने के लिए भारत सरकार के साथ। मुझे नहीं लगता कि यह सही है। हमारे सुरक्षा मंत्री हाल ही में भारत में अपने समकक्षों से बात कर रहे थे। हमारे पास खुफिया जानकारी साझा करने के लिए एक साथ काम करने वाले समूह हैं ताकि हम कर सकें इस तरह के हिंसक उग्रवाद को जड़ से उखाड़ फेंकें। यह सही नहीं है और मैं इसे ब्रिटेन में बर्दाश्त नहीं करूंगा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने मजाकिया अंदाज में कहा कि भारत के दामाद के रूप में जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में शामिल होना वाकई खास है। बता दें कि सुनक के भारत में पहुंचते ही पीएम मोदी ने बड़ा बयान दिया है। पीएम मोदी ने ट्वीट करते हुए कहा कि स्वागत ऋषि सुनक ! मैं एक सार्थक शिखर सम्मेलन की प्रतीक्षा कर रहा हूं जहां हम एक बेहतर ग्रह के लिए मिलकर काम कर सकें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जी20 सम्मेलन : दिल्ली की सुरक्षा में लगे 40 लोगों पर कड़ी नजर, बंदरों को भगाने का जिम्मा

नई दिल्ली । भारत की राजधानी में 9 और 10 सितंबर को पहली बार जी 20 सम्मेलन का आयोजन होने जा रहा है। ऐसे में कोई भी नहीं चाहता कि विदेशों से आने वाले नेताओं और अधिकारियों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना करना पड़े। जिसके चलते देश की छवि को भारी नुकसान हो, राजधानी को इस सम्मेलन के लिए कवच और किले में तब्दील कर दिया है। हालांकि इतनी सख्त व्यवस्था के बाद भी नेताओं और अधिकारियों के सामने एक बड़ी परेशानी है, वो हैं दिल्ली के बंदर जो कहीं भी घुसकर तबाही मचा देते हैं। जी-20 में इसके लिए खास व्यवस्था कर 40 लोगों को तैनात किया गया है। खास बात यह है इन 40 को जिस तरह से ट्रेनिंग दी है, उसकी चर्चा अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भी है। दरअसल इन लोगों को लाल मुंह वाले बंदरों को भगाने के लिए लंगूरों की तरह आवाज निकालने की ट्रेनिंग दी गई है. जब दुनिया भर के नेता जी-20 सम्मेलन में हिस्सा ले रहे होंगे तो इन सभी 40 लोगों को भी तैनात किया जाएगा और लाल मुंह वाले बंदरों को देखते ही ये लंगूरों की तरह आवाज निकालने लगेंगे। नई दिल्ली के नगरपालिका अध्यक्ष सतीश उपाध्याय का कहना है कि वो बंदरों को दूर रखने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए एक अभियान चलाया है, जिसमें 40 लोगों को लंगूर की आवाज की नकल करने की ट्रेनिंग दी गई है। साथ ही आयोजन स्थल के आसपास आदमकद लंगूर जानवरों के कटआउट भी लगाए है, जिनका वजन 30 पाउंड से अधिक है।

वीआईपी पर ड्रोन हमला न हो, डीआरडीओ ने तैनात किया गजब का हथियार

नई दिल्ली । जी-20 सम्मेलन में भाग लेने दुनियाभर के राष्ट्राध्यक्ष और मेहमान दिल्ली आए हुए हैं। इसके बाद किसी भी तरह के हवाई ड्रोन हमले से बचाव के लिए पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की गई है। वर्तमान में दिल्ली में सैकड़ों की संख्या में वीआईपी मौजूद थे। इनकी सुरक्षा का जिम्मा हमारे देश के सैन्य बलों और रक्षा संबंधी वैज्ञानिक संस्थाओं का रहता है। इसकारण भारतीय रक्षा अनुसंधान संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय सेना ने स्वदेशी एंटी-ड्रोन सिस्टम तैनात किया है। इस काउंटर-ड्रोन सिस्टम भी बुलाया जाता है। इसमें दो तरह की तकनीक काम करती है। पहली तकनीक है सॉफ्ट किल यानी किसी भी ड्रोन के संचार लिंक को तोड़ देना। यानी ड्रोन को जिस रिमोट या कंप्यूटर से उड़ाया जाए, उससे ड्रोन का संपर्क तोड़ देना। ताकि ड्रोन दिशाहीन होकर गिर जाए। वह उड़ना बंद कर दे। दूसरी तकनीक है हार्ड किल यानी इस काउंटर ड्रोन सिस्टम की रेंज में आते ही उस पर लेज़र हथियार से हमला किया जाए। लेज़र हमले से ड्रोन के इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम खराब हो जाते हैं। वह जल जाता है। ये लेज़र सिस्टम बिना किसी धमाके के ही ड्रोन को मार गिराता है। इस एंटी-ड्रोन सिस्टम की रेंज चार किलोमीटर है। यानी इस रेंज में आते ही दुश्मन का ड्रोन या गिर जाएगा, या फिर गिरा दिया जाएगा। स्वदेशी एंटी-ड्रोन सिस्टम को भारतीय सेना और आंतरिक सुरक्षा एजेंसियों को भी सौंपा गया है।

एयर होस्टेस के हत्यारे ने पुलिस लॉकअप में की आत्महत्या

मुंबई । मुंबई के पवई में एयर होस्टेस की हत्या मामले चौंकाने वाली घटना सामने आई है। मामले में हत्या के आरोपी ने पुलिस हिरासत में ही आत्महत्या कर ली है। आरोपी ने करीब साढ़े बजे पुलिस लॉकअप में ही जान दे दी। आरोपी ने अपनी पैंट से लॉकअप में फांसी लगा ली। विक्रम को पवई में रहने वाली एयर होस्टेस रुपल ओगरे की हत्या के मामले में पुलिस ने गिरफ्तार किया था। विक्रम के लॉकअप में फांसी लगाने पर हड़कंप मच गया है। पवई पुलिस ने 40 साल के विक्रम अटवाल को एयर होस्टेस रुपल की हत्या के आरोप में अरेस्ट किया था। इसके बाद पुलिस ने अटवाल को कोर्ट में पेश किया था। कोर्ट ने तीन दिन की पुलिस रिमांड मंजूर की थी। अटवाल ने सुबह साढ़े बजे के करीब अपने पैंट से लॉकअप के अदंर फांसी लगा ली। एयर होस्टेस रुपल रविवार को अपने फ्लैट में मृत पाई गई थी। पुलिस के अनुसार हाउस कीपिंग का काम करने वाले विक्रम अटवाल ने रुपल के साथ जबरदस्ती की कोशिश की थी। रुपल के विरोध करने पर अटवाल ने उसकी गर्दन को काट दिया था। जिससे वह फर्श पर गिर गई थी और फिर मौत हो गई। पुलिस ने अटवाल को अरेस्ट करने के बाद बताया कि इस दौरान अटवाल के हाथों में भी चोटें आई थीं। छत्तीसगढ़ की रहने वाली रुपल अंधेरी (ईस्ट) के मरोल में स्थित 1-बीएचके वाले फ्लैट में रहती थी। हाउसकीपिंग से होने के कारण विक्रम टॉयलेट सफाई जाता था। रुपल इसी साल अप्रैल में मुंबई पहुंची थी। वह एयर इंडिया में कार्यरत थी। रुपल आगरे की हत्या का खुलासा तब हुआ था जब उसके परिचित का एक दोस्त तीसरी मंजिल पर उससे मिलने पहुंचा।

बाबा विश्वनाथ पर सावन माह में हुई धनवर्षा, 59 दिनों में 16 करोड़ 89 लाख रुपये दान में आए

वाराणसी। नाथों के नाथ बाबा विश्वनाथ पर सावन में भक्तों ने दिल खोलकर धनवर्षा की। सावन माह के 59 दिनों में शिवभक्तों ने सारे पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए। आंकड़ों के मुताबिक 59 दिनों के सावन में भक्तों ने बाबा विश्वनाथ को कुल 16 करोड़ 89 लाख रुपये दान में दिए। इसमें कैश के साथ सोना और चांदी के अलावा दूसरे बेशकीमती धातु भी शामिल है। बता दें कि सावन माह में बाबा दरबार कुल 1 करोड़ 63 लाख भक्तों ने हाजिरी लगाई। काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुनील कुमार वर्मा ने बताया कि इस बार सावन में भक्तों ने दान के पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए है। इस साल पिछले बार की अपेक्षा 5 गुना ज्यादा दान भक्तों ने बाबा को चढ़ाया है। इसमें ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से बाबा को चढ़ावा मिला है। आंकड़ों के मुताबिक साल 2022 में सावन के महीने में 3 करोड़ 40 लाख 71 हजार रुपये बाबा को दान में मिला था। साल 2023 में यह आंकड़ा 16 करोड़ 89 लाख करीब रहा। बता दें कि काशी विश्वनाथ धाम के निर्माण के बाद लगातार यहां भक्तों के सुविधा का विस्तार किया जा रहा है। भक्तों को किसी भी मौसम में यहां आने में परेशानी न हो इसके लिए फर्श पर मैट बिछाया गया है। इसके अलावा धूप और बारिश से बचाने के लिए जर्मन हैंगर तकनीक से टेंट भी लगाया गया है। इसके साथ ही अन्य कई तरह की सुविधाएं भी यहां विकसित की जा रही है। जिससे दूर दराज से आने वाले भक्तों को बेहतर अनुभव हो सकें।

आईआईटी डायरेक्टर का बयान, मांस खाने से आई हिमाचल में त्रासदी

मंडी। हिमाचल के मंडी जिले में स्थित आईआईटी संस्थान के डायरेक्टर प्रो.लक्ष्मीधर बेहरा का अजीबोगरीब बयान सामने आया है। बेहरा का कहना है कि हिमाचल के लोग जानवरों को मारकर मांस खाते और इसकारण ये प्राकृतिक त्रासदी आई है। उनका यह बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बयान उन्होंने आईआईटी के ही कार्यक्रम में उपस्थित स्टूडेंट्स को संबोधित करते हुए दिया है। हालांकि, वीडियो कब की है, इसकी सही जानकारी अभी नहीं मिली है। लेकिन इतना तय है कि यह वीडियो हाल फिलहाल का ही है। क्योंकि, हिमाचल में बीते माह ही त्रासदी आई है। आईआईटी ने फिलहाल बयान पर चुप्पी साध ली है। वीडियो में प्रो. बेहरा बच्चों को संबोधित कर मांस न खाने की नसीहत देते हुए भी नजर आ रहे हैं। बेहरा के अनुसार यदि मनुष्य को अच्छा इंसान बनना है, तब मनुष्य को मांस नहीं खाना चाहिए। वीडियो में डायरेक्टर बच्चों को मांस न खाने की शपथ भी दिला रहे हैं। जब बच्चे धीमा आवाज में उनकी बातों में हां मिलाते हैं, तब वह जोर देकर अपनी बात दोहराते हैं। वीडियो में डायरेक्टर मासूम जानवरों का शिकार करना भी प्रकृति से खिलवाड़ करना बताते हुए नजर आ रहे हैं। प्रोफेसर यहीं नहीं रुके उन्होंने कहा कि जानवरों पर क्रूरता की वजह से हिमाचल में बादल फट रहे हैं। वीडियो के बारे में आईआईटी मंडी के मीडिया सेल ने बताया कि किस कार्यक्रम के दौरान यह बयान दिया गया है इस बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है। मांस न खाने को लेकर जो बात कही गई है, वह डायरेक्टर के अपने निजी विचार हो सकते हैं। आईआईटी के डायरेक्टर भगवान श्रीकृष्ण के भक्त हैं और मंडी में बतौर डायरेक्टर तैनाती से पहले उनका एक और वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वे अपने एक मित्र के घर से भूत भगाने का दावा कर चुके हैं। यह भूत उन्होंने चेन्नई में अपने एक दोस्त के घर से मंत्रोच्चारण करके भगाया था। उन्होंने माना था कि भूत-प्रेत होते हैं. मामले ने खूब सुर्खियां बटोंरी थी।

चीन को जबाव देगी अमेरिका, भारत, सऊदी अरब और यूएई की रेल परियोजना

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन में, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, भारत, सऊदी अरब व संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के नेता एक प्रमुख संयुक्त बुनियादी ढांचा समझौते की घोषणा करने की उम्मीद कर रहे हैं, जो रेलवे के नेटवर्क के माध्यम से खाड़ी देशों को जोड़ेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह क्षेत्र के बंदरगाहों से शिपिंग लेन के माध्यम से भारत से भी जुड़ेगा। यह परियोजना उन प्रमुख पहलों में से एक है, जिसे व्हाइट हाउस मध्य पूर्व में आगे बढ़ा रहा है, क्योंकि क्षेत्र में चीन का प्रभाव बढ़ रहा है।

मध्य-पूर्व चीन के बेल्ट एंड रोड विज़न का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि संयुक्त रेलवे परियोजना उन प्रमुख परियोजनाओं में से एक होने की उम्मीद है, जिसे बाइडेन इस सप्ताह के अंत में नई दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान पेश करना चाहते हैं। यह तब आता है, जब बाइडेन प्रशासन सऊदी अरब के साथ एक मेगा-डील के लिए अपने राजनयिक प्रयास को पूरा करना चाहता है, जिसमें 2024 के अभियान से पहले राज्य और इज़राइल के बीच एक सामान्यीकरण समझौता शामिल हो सकता है, जो बाइडेन के एजेंडे को पूरा करता है।

व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति शनिवार को वैश्विक बुनियादी ढांचे और निवेश कार्यक्रम के लिए साझेदारी में भाग लेने वाले हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वार्ता में शामिल एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि घोषणा पर काम अभी भी जारी है और यह अभी अंतिम नहीं है। यदि चारों देश अगले दो दिनों में बातचीत को अंतिम रूप देते हैं, तब उनके नेता परियोजना के मापदंडों को रेखांकित करते हुए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, परियोजना से लेवंत और खाड़ी में अरब देशों को रेलवे के एक नेटवर्क के माध्यम से जोड़ने की उम्मीद है जो खाड़ी में बंदरगाहों के माध्यम से भारत से भी जुड़ेगा।

सूत्रों के अनुसार, अगर सऊदी अरब और इजराइल भविष्य में संबंध सामान्य करते हैं, तब इज़राइल भी रेलवे परियोजना का हिस्सा हो सकता है और इजराइली बंदरगाहों के माध्यम से यूरोप तक अपनी पहुंच बढ़ा सकता है। परियोजना की घोषणा से जी20 के इतर बाइडेन और सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के बीच संभावित संक्षिप्त द्विपक्षीय बैठक की संभावना बढ़ जाएगी। पहली बार बताया कि इस परियोजना के लिए मई में बातचीत चल रही थी, जब व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन अपने सऊदी, अमीराती और भारतीय समकक्षों के साथ बैठक के लिए सऊदी अरब गए थे।

रिपोर्ट में कहा गया है कि यह परियोजना उस बैठक में चर्चा किए गए मुख्य मुद्दों में से एक थी, जिसमें अमेरिका की ओर से बाइडेन के ऊर्जा और बुनियादी ढांचे के वरिष्ठ सलाहकार अमोस होचस्टीन के नेतृत्व में अनुवर्ती वार्ता की एक श्रृंखला शुरू की गई थी। दो स्रोतों के अनुसार, नई पहल का विचार पिछले 18 महीनों में आई2यू2 नामक एक अन्य मंच पर हुई बातचीत के दौरान आया, जिसमें अमेरिका, इजराइल, संयुक्त अरब अमीरात और भारत शामिल हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, इस फोरम की स्थापना 2021 के अंत में मध्य पूर्व में रणनीतिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर चर्चा करने और क्षेत्र में बीजिंग के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए की गई थी। इजराइल ने पिछले वर्ष आई2यू2 बैठकों के दौरान इस क्षेत्र को रेलवे के माध्यम से जोड़ने का विचार उठाया था। इस विचार का एक हिस्सा ऐसी बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर भारत की विशेषज्ञता का उपयोग करना था।

भारत ने अमेरिका से मांगे 31 खतरनाक हथियार

नई दिल्ली । अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन आज भारत पहुंचने वाले हैं। वे यहां जी20 समिट में शामिल होने के लिए आ रहे हैं। इस दौरान जो बाइडन और पीएम मोदी की द्विपक्षीय वार्ता भी होगी। भारत ने बैठक से पहले 31 टॉप हथियारयुक्त एमक्यू-9बी रीपर या प्रीडेटर-बी ड्रोन के मेगा अधिग्रहण के लिए अमेरिकी सरकार से औपचारिक अनुरोध किया है। भारत का इस वित्तीय वर्ष में लक्ष्य है हंटर ड्रोन के अंतिम अनुबंध पर हस्ताक्षर करना। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रक्षा मंत्रालय ने कुछ दिन पहले 31 'हंटर-किलर' ड्रोन के लिए एलओआर (लेटर ऑफ रिक्वेस्ट) भेजा। अब बाइडन प्रशासन इसका जवाब अपने विदेशी सैन्य बिक्री (एफएमएस) कार्यक्रम के तहत अमेरिकी कांग्रेस को लागत के साथ एलओए (लेटर ऑफ असेप्टेन्स) एक-महीने के भीतर देंगे।

सशस्त्र बल अगले 6-7 वर्षों में सभी ड्रोनों को शामिल करने के लिए तैयार है। इसे जनरल एटॉमिक्स (जीए) द्वारा भारत में असेंबल' किया जाएगा। यह चीन के सशस्त्र ड्रोन होंग-4 और विंग लूंग-द्व की तुलना में कहीं अधिक सक्षम है। चीन इसकी आपूर्ति पाकिस्तान को भी करता है। एमक्यू-9बी, भारत की हिंद महासागर में लंबी दूरी की निगरानी और सटीक हमले की क्षमता रखता है। वहीं, चीन और पाकिस्तान के साथ भूमि सीमाओं पर भी निगरानी रखेगा। एमक्यू-9बी को रिमोट से कंट्रोल किया जा सकता है या ऑटोनॉमस उड़ान के लिए भेजा जा सकता है। एमक्यू-9बी ड्रोन 40 हजार से अधिक फीट की ऊंचाई पर लगभग 40 घंटे तक उड़ान भर सकता है। यह 5,670 किलो का वजन आराम से उठा सकता है।

वहीं इसके फ्यूल की क्षमता 2,721 किलो है। इसका विकास जनरल एटॉमिक्स सिस्टम्स द्वारा यूनाइटेड एयर फोर्स के लिए किया गया है। यह लंबे समय तक चलने वाले मिशनों के दौरान पहाड़ों और समुद्री क्षेत्र में रणनीतिक लक्ष्यों पर सटीक हमले भी कर सकता है।

'मोदी हैं तो मनु है'... जी-20 की डिनर पार्टी में खरगे को न्योता नहीं मिलने पर कांग्रेस ने लगाया जातिगत भेदभाव का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के कांग्रेस नेता मोहन कुमारमंगलम ने कांग्रेस अध्यक्ष और दलित नेता मल्लिकार्जुन खरगे को जी20 डिनर अतिथि सूची से बाहर किए जाने के बाद मोदी सरकार पर जातिगत भेदभाव का आरोप लगाया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए कहा कि मोदी है तो मनु है। कुमारमंगलम ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी महर्षि मनु की विरासत को कायम रख रहे हैं, जो एक प्राचीन हिंदू ऋषि थे, जिन्हें मनुस्मृति की रचना करने का श्रेय दिया जाता है। एक प्राचीन संस्कृत पाठ जिसे अक्सर 'हिंदू आचरण के लिए मार्गदर्शक' के रूप में वर्णित किया जाता है, हालांकि जाति को बढ़ावा देने के लिए कई विद्वानों द्वारा इसकी आलोचना की गई है। कुमारमंगलम ने अतीत के कई उदाहरणों का उल्लेख किया जहां पिछड़े वर्गों के नेताओं को महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में आमंत्रित नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को अयोध्या में राम मंदिर के 'भूमि पूजन' में आमंत्रित नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भी नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में आमंत्रित नहीं किया गया था।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी इस मुद्दे पर मोदी सरकार की आलोचना की और कहा कि यह आपको बताता है कि वे विपक्ष के नेता को महत्व नहीं देते हैं और हमें जी 20 शिखर सम्मेलन में आमंत्रित नहीं किया है। वे 60 के नेतृत्व को महत्व नहीं देते हैं। खरगे के कार्यालय ने कहा कि उन्हें शनिवार को राष्ट्रपति द्वारा आयोजित जी20 रात्रिभोज में आमंत्रित नहीं किया गया था। हालांकि, खबरों के मुताबिक किसी अन्य राजनीतिक दल के नेता को भी आमंत्रित नहीं किया गया है।

कर्नाटक में इंडिया को टक्कर देने साथ आ सकते हैं भाजपा और देवेगौड़ा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में बड़े घटनाक्रम के तहत, भाजपा और जद(एस) कर्नाटक में कांग्रेस के खिलाफ आगामी लोकसभा चुनाव में एकजुट होकर लड़ने के संबंध में अंतिम दौर की बातचीत कर रहे हैं। सूत्रों ने पुष्टि की कि पूर्व प्रधानमंत्री और जद (एस) सुप्रीमो एच.डी. देवेगौड़ा ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी.नड्डा से मुलाकात कर गोपनीय बातचीत की है।

सूत्र बताते हैं कि जद (एस) 28 में से पांच संसदीय सीटों की मांग कर रही है और भाजपा चार सीटों के लिए बातचीत कर रही है। जद (एस) ने हासन, मांड्या, कोलार, तुमकुरु और बेंगलुरु ग्रामीण सीटों पर जोर दिया। हसन का प्रतिनिधित्व देवेगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना ने किया।

मांड्या जद (एस) का मजबूत आधार है, लेकिन भाजपा मौजूदा सांसद सुमलता अंबरीश का समर्थन कर रही है, जिन्होंने स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल की है। उन्होंने प्रमुख मामलों में बीजेपी को अपना समर्थन दिया था। सूत्रों ने कहा कि भाजपा मांड्या सीट अपने पास रख सकती है और सुमलता अंबरीश को भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ाएगी।

बेंगलुरु ग्रामीण का प्रतिनिधित्व डी.के. सुरेश शिवकुमार द्वारा किया जाता है। डिप्टी सीएम डी.के के भाई वोक्कालिगा समुदाय का चेहरा बनकर उभरने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। वर्तमान में, दक्षिण कर्नाटक में केंद्रित प्रभावशाली समुदाय देवेगौड़ा और जद (एस) के पीछे लामबंद हो रहा है। शिवकुमार पिछले विधानसभा चुनाव में वोक्कालिगा वोट बैंक पर जद (एस) की पकड़ को तोड़ने में कामयाब रहे थे।

सूत्रों ने कहा कि भाजपा और जद(एस) दोनों को कर्नाटक में कांग्रेस सरकार की मजबूत स्थिति का एहसास हो गया है। यदि वे स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ते हैं, तब कांग्रेस अधिकांश सीटें आसानी से जीत सकती है। इसके अलावा ऑपरेशन हेस्ट के तहत कांग्रेस के आक्रामक कदमों से दोनों दल चिंतित और चिंतित हैं। देवेगौड़ा अपने बेटे पूर्व सीएम एचडी के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं। कुमारस्वामी, जिन्हें हाल ही में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कुमारस्वामी की दिल की बड़ी सर्जरी हुई है। सूत्रों ने कहा कि जद (एस) मांड्या सीट भाजपा के लिए छोड़ सकती है, भले ही यह एक झटका हो। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पार्टी के कदम के बारे में जानकारी है और उन्होंने गठबंधन को हरी झंडी भी दे दी है।

सनातन धर्म पर उदयनिधि की विवादित टिप्पणी से संजय राउत ने झाड़ा पल्ला

मुंबई। तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन की 'सनातन धर्म' पर की गई टिप्पणी को खारिज करते हुए शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने कहा है कि पूरे देश में गुस्सा भड़काना ठीक नहीं है और कोई भी उनके बयान से सहमत नहीं है। उदयनिधि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन के बेटे हैं। द्रमुक विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' के घटक दलों में से एक है। राउत ने कहा कि दक्षिण भारत के एक खास क्षेत्र का धर्म पर अलग दृष्टिकोण हो सकता है, लेकिन उसे इसे अपने तक ही सीमित रखना चाहिए। राज्यसभा सदस्य ने बृहस्पतिवार को कहा, ''इस तरह की टिप्पणी करके पूरे देश का गुस्सा भड़काना सही नहीं है। उदयनिधि ने सनातन धर्म पर जो टिप्पणी की है, उससे कोई भी सहमत नहीं है। भले ही ऐसे विचार व्यक्तिगत हों, उन्हें इसे अपने तक ही सीमित रखना चाहिए।'' राउत ने कहा, ''उनका निजी विचार हो सकता है और यह द्रविड़ संस्कृति का हिस्सा हो सकता है।'' इस सप्ताह की शुरुआत में, उदयनिधि ने सनातन धर्म की तुलना मलेरिया और डेंगू से की थी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस बयान के लिए 28 विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' को निशाना बना रही है। द्रमुक के लोकसभा सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री ए. राजा के बयान से विवाद और भड़क गया जब उन्होंने सनातन धर्म की तुलना कुष्ठ रोग और एचआईवी जैसी बीमारियों से की। इस टिप्पणी के बाद भाजपा ने कहा कि यह विपक्षी दलों की 'गहरे हिंदूफोबिया' को दर्शाती है। राउत ने कहा कि हर धर्म में मान्यताएं और अंधविश्वास हैं, लेकिन छुआछूत जैसे मुद्दों पर विरोध की आवाज हिंदू धर्म के भीतर से उठी है। उन्होंने कहा, ''राजा राममोहन राय से लेकर ज्योतिबा फुले से लेकर बी. आर. आंबेडकर तक, देश ने कई महान समाज सुधारकों को देखा है, यही वजह है कि सनातन धर्म अभी भी देश में जीवित है।''

तेलंगाना कांग्रेस प्रमुख ने ओवैसी को एक और निज़ाम कहा

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना कांग्रेस प्रमुख ए. रेवंत रेड्डी ने एमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी पर कड़ा प्रहार कर उन्हें दूसरा निजाम बताया है। रेड्डी ने दावा किया कि ओवैसी परिवार हैदराबाद से नहीं है, बल्कि महाराष्ट्र से शहर में आया है।

विधानसभा चुनाव से पहले ओवैसी पर हमला कर कांग्रेस नेता ने कहा, एक और निजाम हैं, जो शास्त्रीपुरम पहाड़ी पर रहते हैं। वह कहते हैं कि हैदराबाद हमारा शहर है, लेकिन वे वास्तव में शोलापुर, महाराष्ट्र से आए हैं। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष ने कहा कि इस बार कांग्रेस मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एमआईएम) को हरा देगी। कांग्रेस नेता ने रैली को संबोधित करते हुए तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव को समर्थन देने पर ओवैसी से सवाल किया।

एमआईएम, जो हैदराबाद में एक प्रमुख राजनीतिक ताकत है, तेलंगाना राज्य के गठन के बाद से केसीआर का समर्थन कर रही है। रेवंत रेड्डी ने कहा कि इस बार तेलंगाना के मुसलमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़े केसीआर को समर्थन स्वीकार नहीं करने वाले हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, आप चोरों का समर्थन कर रहे हैं। आप बार-बार लोगों से केसीआर को चुनने के लिए कह रहे हैं। क्योंकि उन्होंने संसद में तीन तलाक विधेयक, अनुच्छेद 370 पर मोदी का समर्थन किया, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनाव में भाजपा का समर्थन किया और नोटबंदी और जीएसटी का समर्थन किया।

केसीआर पर एक लाख करोड़ रुपये लूटने का आरोप लगाते हुए रेडडी ने औवेसी से जानना चाहा कि इसमें उनका कितना हिस्सा है। उन्होंने केसीआर और केटीआर पर निशाना साधते हुए कहा, पिता-पुत्र की जोड़ी राज्य को लूट रही है। उन्हें भगाने का समय आ गया है। रेवंत रेड्डी ने याद दिलाया कि यह कांग्रेस सरकार थी जिसने मुसलमानों को चार प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया था और जिसने पुराने शहर के लिए मेट्रो रेल लाइन को मंजूरी दी थी, लेकिन केसीआर ने काम लंबित रखा।

सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद लद्दाख चुनाव की नई तारीख, उमर अब्दुल्ला ने बताया था प्रशासन का पक्षपातपूर्ण एजेंडा

श्रीनगर (एजेंसी)। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख ने कारगिल के लिए लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद चुनाव के लिए नई अधिसूचना जारी की है। अब चुनाव 4 अक्टूबर को होंगे। ऐसा तब हुआ जब सुप्रीम कोर्ट ने आगामी चुनाव के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस के पार्टी चिन्ह को बहाल करते हुए यूटी प्रशासन की पिछली चुनाव अधिसूचना को भी रद्द कर दिया क्योंकि एनसी उम्मीदवार नामांकन दाखिल करने में सक्षम नहीं थे। हिल काउंसिल की 26 सीटों के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की नई तारीख 9 सितंबर है और नामांकन की आखिरी तारीख 16 सितंबर होगी। मतदान 4 अक्टूबर को होगा और परिषद के नतीजे 8 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे।

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और नेशनल कॉन्फ्रेंस के बीच कानूनी लड़ाई सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचने के बाद, लद्दाख में यूटी अधिकारियों को फटकार के साथ एनसी को पार्टी का प्रतीक बहाल कर दिया गया। अपने आदेश में अदालत ने कहा कि चुनावी मामलों में एक बार अधिसूचना जारी होने और चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बाद संवैधानिक अदालतें हस्तक्षेप करने के लिए तैयार नहीं होती हैं। लेकिन जहां ऐसे मुद्दे सामने आते हैं, जो अन्यायपूर्ण कार्यकारी कार्रवाई या किसी स्तर को परेशान करने के प्रयास का संकेत देते हैं बिना किसी उचित या समझदार आधार वाले उम्मीदवारों और/या राजनीतिक दलों के बीच खेल के मैदान में, संवैधानिक न्यायालयों को कदम उठाने की आवश्यकता है, बल्कि वे कर्तव्य से बंधे हैं।

इसमें यह भी कहा गया है कि यह मामला अदालत को चुनावों से संबंधित अपनी शक्तियों का मनमाने ढंग से उपयोग करने और उसके बाद आत्मसंतुष्ट, बल्कि अति-आत्मविश्वास से संबंधित अधिकारियों के छिपे खतरे के व्यापक पहलू पर ध्यान देने के लिए बाध्य करता है, कि अदालतें हस्तक्षेप नहीं करेंगी। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक राजनीतिक दल के रूप में जो हमारा अधिकार है उसके लिए हमें ऐसी लड़ाई लड़नी पड़ी। चुनाव चिन्हों के आवंटन को लेकर चुनाव दिशानिर्देश बिल्कुल स्पष्ट हैं।

सोनिया गांधी रायबरेली से ही लड़ेंगी लोकसभा चुनाव !

इलाहाबाद । प्रयागराज में नेहरू गांधी खानदान के पैतृक आवास आनंद भवन से ऐतिहासिक अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद पार्क तक कांग्रेसियों ने भारत जोड़ो यात्रा निकालकर एकता का संदेश देने की कोशिश की। इस मौके पर रायबरेली लोकसभा सीट से कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी के चुनाव लड़ने को लेकर मीडिया के सवाल पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा है कि रायबरेली से सोनिया गांधी सांसद हैं। उन्होंने कहा है कि निश्चित तौर पर वे ही इस सीट से चुनाव लड़ेंगी। वहीं यूपी में कांग्रेस कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी इसके जवाब में कहा है कि कांग्रेस पार्टी यूपी की सभी 80 सीटों पर तैयारी कर रही है। अब यह पार्टी हाई कमान को तय करना है कि कितनी सीटों पर प्रत्याशी उतारने हैं। वहीं लगातार डीएमके नेताओं द्वारा सनातन धर्म पर की जा रही विवादित टिप्पणी को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय कोई प्रतिक्रिया देने से बचते नजर आए।

विदेशी मेहमानों को मिले स्वच्छता से पकाया हुआ भोजन, केजरीवाल सरकार ने की ये खास तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में आयोजित हो रहे जी20 शिखर सम्मेलन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था चाकचौबंद है। वहीं विदेशी और गणमान्य मेहमानों के लिए उनके प्रवास के दौरान शानदार पकवान भी परोसने की तैयारी हैं। इस संबंध में दिल्ली सरकार ने पूरी कमर कस ली है।

गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिनिधियों को जी20 शिखर सम्मेलन के दौरा स्वच्छता से पकाया हुआ भोजन मिले ये सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली सरकार ने कई अहम कदम उठाए है। इसके तहत दिल्ली सरकार के खाद्य सुरक्षा विभाग ने यह सुनिश्चित करने के लिए अपने अधिकारियों को तैनात किया है, कि जी20 के गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिनिधियों को शहर के होटलों में उनके प्रवास के दौरान स्वच्छता से पकाया गया भोजन परोसा जाए।

इस संबंध में विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि नई दिल्ली के 19 होटलों जहां गणमान्य व्यक्तियों के ठहरने के इंतजाम हैं, वहां आप सरकार ने 18 खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को तैनात किया है। वहीं एयरोसिटी क्षेत्र में इस्तेमाल किए जा रहे कच्चे खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्र कर रहे हैं, जहां विदेशी मेहमान रुकने वाले हैं। अधिकारी ने कहा, हम नियमित जांच और नमूने लेते हैं लेकिन जी20 शिखर सम्मेलन के मद्देनजर, विभाग ने 18 खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की है और सोमवार से होटलों से एकत्र किए जा रहे नमूनों पर प्रयोगशाला परीक्षण कर रहे हैं।

बता दें कि जी20 शिखर सम्मेलन का आयोजन आधिकारिक तौर पर नौ और 10 सितंबर को नई दिल्ली के प्रगति मैदान के नवनिर्मित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी केंद्र भारत मंडपम में आयोजित होना है। इस सम्मेलन में कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष हिस्सा लेंगे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शाह ने हजारिका को उनकी जयंती पर किया नमन

नयी दिल्ली। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका को उनकी जयंती पर नमन किया। शाह ने आज एक्स पर लिखा, भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका जी की जयंती पर उन्हें नमन करता हूँ। हजारिका जी पूरे विश्व में भारत के सांस्कृतिक दूत थे जिन्होंने अपनी विलक्षण प्रतिभा से न सिर्फ असमिया संस्कृति को विश्व मंच पर पहुँचाया बल्कि गीत-संगीत को सामाजिक परिवर्तन का माध्यम भी बनाया। समरसता के प्रति उनका संदेश हमें सदैव एक बेहतर भविष्य की दिशा में संकल्पित रहने के लिए प्रेरित करेगा। आठ सितंबर 1926 में असम में जन्में डॉ. हजारिका असमिया भाषा के कवि, फिल्म निर्माता, लेखक और असम की संस्कृति और संगीत के अच्छे जानकार और विलक्षण कलाकार थे। वह अपने गीत खुद लिखते थे, संगीतबद्ध करते थे और गाते थे। उन्हें दक्षिण एशिया के श्रेष्ठतम जीवित सांस्कृतिक दूतों में से एक माना जाता है। उन्होंने कविता लेखन, पत्रकारिता, गायन, फिल्म निर्माण आदि अनेक क्षेत्रों में काम किया।

यादव लोग जब पीटते हैं न, तो रोने नहीं देते हैं, शिवपाल का ओमप्रकाश राजभर पर तंज

लखनऊ। सपा महासचिव शिवपाल ने ओमप्रकाश राजभर के यादव पर विवादित बयान पर पलटवार किया है। शिवपाल यादव ने कहा कि राजभर को अपनी बात याद कर लेनी चाहिए जब उन्होंने कहा था कि यादव लोग जब पीटते हैं न, तो रोने नहीं देते हैं। बस इतनी बात याद है। दरअसल, शिवपाल यादव ने ये बातें मैनपुरी में पत्रकारों से कहीं। इससे पहले शिवपाल सिंह यादव ने ओमप्रकाश राजभर पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके जैसे नेता चुनाव जीतकर दलाली करते हैं। आपको बता दें कि सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने यादव बिरादरी को लेकर विवादित बयान दिया था। राजभर ने वाराणसी जिले की चोलापुर थाने के यादव थानाध्यक्ष से एक विवाद के मसले पर हुई बातचीत में यह बोल था कि गांव में लोग कहते हैं कि अहीरों की बुद्धि 12 बजे खुलती है।

जी-20 की शुरुआत से पहले ही रूस पर राजनीति तेज, यूरोपियन यूनियन बोला- बर्ताव फिर पता चला

यूरोपीय यूनियन यूक्रेन पर रूस के हमलों का विरोध करता रहा है और यूक्रेन पर युद्ध थोपने के बाद कई तरह के प्रतिबंध रूस पर लगा चुका है।यूक्रेन संकट के बाद बंट चुके यूरोपीय संघ में एक अभूतपूर्व एकता आई है।

नई दिल्ली। जी-20 के शिखर सम्मेलन की शुरुआत होने से पहले ही रूस पर राजनीति शुरू हो गई है। यूरोपीय यूनियन के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल ने रूस पर हमला बोला है और कहा, ÷यह जी 20 बैठक रूसी व्यवहार के बारे में स्पष्टता लाने का एक और अवसर है। यूक्रेन के खिलाफ इस युद्ध को शुरू करके और काला सागर को युद्ध के मैदान में बदलकर, रूस फिर से विकासशील देशों के खिलाफ एक मिसाइल दाग रहा है...

बता दें कि यूरोपीय यूनियन यूक्रेन पर रूस के हमलों का विरोध करता रहा है और यूक्रेन पर युद्ध थोपने के बाद कई तरह के प्रतिबंध रूस पर लगा चुका है। यूक्रेन संकट के बाद अक्सर बंटे रहने वाले यूरोपीय संघ में एक अभूतपूर्व क़िस्म की एकता देखने को मिली है। सदस्य देशों ने न केवल यूक्रेन को आर्थिक और सैन्य सहायता मुहैया कराई है, बल्कि रूस पर दीर्घकालिक प्रतिबंध भी लगाए हैं और अपने रक्षा तंत्र को मज़बूत किया है। यूरोपीय यूनियन ने

लाखों यूक्रेनी शरणार्थियों के लिए भी अपने द्वार खोले हैं। यूक्रेन युद्ध के बीच यूरोप ने खुद को रणनीतिक रूप से पुनर्गठित किया है, लेकिन सुरक्षा के लिए

> ● बता दें कि यूरोपीय यूनियन यूक्रेन पर रूस के हमलों का विरोध करता रहा है और यूक्रेन पर युद्ध थोपने के बाद कई तरह के प्रतिबंध रूस पर लगा चुका है। यूक्रेन संकट के बाद अक्सर बंटे रहने वाले यूरोपीय संघ में एक अभूतपूर्व क़िस्म की एकता देखने को मिली है।

अमेरिका और ऊर्जा संसाधनों के लिए रूस पर उसकी निर्भरता ने उसे परेशान भी किया है।

यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल 9 से 10 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए गुरुवार को नई दिल्ली पहुंचे थे। इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने उनका स्वागत किया था।

दुनियाभर के देशों में सुरक्षा, समृद्धि और सतत विकास सुनिश्चित करने में भारत और यूरोपीय संघ के साझा हित रहे हैं। भारत और यूरोपीय संघ दोनों सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा और पेरिस समझौते के अनुरूप एक सुरक्षित, हरित, स्वच्छ, डिजिटल, अधिक लचीला और स्थिर दुनिया में संयुक्त रूप से योगदान देने के लिए नए तालमेल को बढ़ावा देने पर सहमत हुए हैं।

यूरोपीय संघ भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार (अमेरिका के बाद) और भारत का दूसरा सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। भारत यूरोपीय संघ का 10वां सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है, जिसका यूरोपीय संघ के कुल माल व्यापार में 2 प्रतिशत योगदान है। यूरोपीय संघ और भारत के बीच सेवाओं का व्यापार 2021 में 40 बिलियन यूरो तक पहुंच गया था।

2024 से पहले उत्तराखंड में लागू होगा यूनिफॉर्म सिविल कोड

सीएम धामी ने कर दिया ऐलान

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड में जल्द ही साामन नागरिक संहिता जल्द ही लागू हो जाएगा। यूसीसी-यूनिफॉर्म सिविल कोड को लागू करने ने एक कमेटी बनाई गई है। सीएम धामी ने कहा कि कमेटी के आधार पर ही यूसीसी लागू किया जाएग। 2024 से पहले उत्तराखंड में हर हाल में यूसीसी लागू कर दिया जाएगा। सीएम धामी ने कहा कि कमेटी के सदस्यों ने घर-घर जाकर लोगों की राय ली एकत्रित है। कहा कि उत्तराखंड सरकार की ओर से 2024 से पहले यूसीसी हर हाल में लागू हो जाएगा। सीएम धामी ने कहा कि देश में यूसीसी लागू करने वाला पहला राज्य उत्तराखंड होगा, जिसके लिए सरकार कार्य कर रही है। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में आयोजित 'हिन्दुस्तान शिखर समागम-2023' में सीएम धामी ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि उत्तराखंड के स्वरूप से छेड़छाड़ किसी भी सूरत में बदर्शत नहीं किया जाएगा। कहा कि चुनाव से पहले प्रदेश की जनता से यह वायदा किया गया था कि उत्तराखंड में यूसीसी लागू कर दिया जाएगा। सीएम धामी ने कहा कि यूसीसी के लिए कमेटी का गठन किया जा

चुका है, और कमेटी जल्द ही अपनी सिफारिश सरकार को सौंप देगी। सीएम धामी ने साफतौर से कहा कि 2024 से पहले उत्तराखंड में हर हाल में यूसीसी लागू कर दिया जाएगा। यूसीसी लागू करने से पहले कमेटी के सदस्यों ने गांव-गांव जाकर लोगों की राय भी जानी है। अतिक्रमण पर भी बोलते ही सीएम धामी कहा कहना था कि लैंड जिहाद या लव जिहाद को उत्तराखंड में किसी भी सूरते में बदर्शत नहीं किया जाएगा। सीएम धामी का कहना था कि उत्तराखंड के विकास के लिए किसी भी कठोर कदम उठाने में वह बिल्कुल भी पीछे नहीं हटेंगे।

बकाएदारों से कर्ज वसूली के लिए बैंक नहीं जारी कर सकते लुक आउट सर्कुलर-हाई कोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक फैसले में कहा है कि कोई भी बैंक बकाएदारों से मोटी रकम की कर्ज वसूली के लिए लुक आउट सर्कुलर नहीं जारी कर सकते और इसे कानूनी हथियार नहीं बना सकते। हाई कोर्ट ने कहा कि बैंक लेनदारों से पैसा वसूलने के उपाय के रूप में लुक आउट सर्कुलर का उपयोग सिर्फ इसलिए नहीं कर सकते क्योंकि उन्हें लगता है कि कानून के तहत उपलब्ध उपाय पर्याप्त नहीं है। जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने व्यवस्था दी है कि ऐसे मामलों में एलओसी तभी जारी की जा सकती है, जब पर्याप्त कारण हों। उन्होंने कहा कि यदि ऐसी एलओसी जारी करने के लिए कोई पूर्व शर्त है, तो उसे उसमें दिया जाना चाहिए। लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, अदालत ने कहा, ÷यह अच्छी तरह से स्थापित है कि लुक आउट सर्कुलर की वैधता उस तारीख को मौजूद परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए विचार किया जाना चाहिए, जिस दिन लुक आउट सर्कुलर जारी करने का अनुरोध किया गया था। हाई कोर्ट ने कहा है कि केवल इस संभावना कि किसी व्यक्ति को अंततः आरोपी बनाया जा सकता है, एलओसी खोलने का एकमात्र आधार नहीं हो सकता है, जो किसी नागरिक की आवाजाही में बाधा डालता है और विदेश यात्रा करने का अधिकार छीन लेता है। कोर्ट ने कहा, लुक आउट

सर्कुलर खोले जाने से पहले कोई ठोस सामग्री होने के बिना ÷भारत के आर्थिक हित को नुकसान÷ जैसे वाक्यांशों का उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है और निश्चित रूप से बैंक लुक आउट सर्कुलर का उपयोग केवल धन की वसूली के उपाय के रूप में नहीं कर सकते हैं। जस्टिस प्रसाद ने बैंक ऑफ बड़ौदा के कहने पर निपुण सिंघल के खिलाफ जारी एलओसी को रद्द करते हुए ये टिप्पणियां कीं। सिंघल का मामला यह था कि उन्हें स्लष्ट के बारे में तब पता चला जब वह स्पेन की यात्रा के लिए मुंबई हवाई अड्डे पर पहुंचे। उन्हें विदेश यात्रा की इजाजत नहीं थी। उन्होंने अदालत को बताया कि एलओसी लॉयड इलेक्ट्रिक एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड के मामले में जारी की गई थी। वह उस कंपनी में 2010 से 2017 तक कार्यरत थे और निदेशकों में से एक थे। सिंघल ने कोर्ट को बताया कि उनके कंपनी छोड़ने के करीब 18 महीने बाद कंपनी को नवंबर 2018 में NPA घोषित कर दिया गया था और उन्हें पिछले साल जनवरी में बैंक की तरफ से एक कारण बताओ नोटिस भेजा गया था। बाद में उन्हें बताया गया कि कंपनी और कंपनी के तीन निदेशकों के खिलाफ एक नियमित मामला दर्ज किया गया है। सिंघल ने बताया कि उन्होंने जांच में सहयोग किया था और सीबीआई को भी सूचित कर दिया था कि उन्होंने मई 2017 में कंपनी से इस्तीफा दे दिया है। बावजूद इसके उनके खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी किया गया है।

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180 या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेलः-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेलः-krantisamay@gmail.com